चिन्मय अंकुर

छमाही समाचारिका

"चिन्मय अंकुर" चिन्मय विद्यालय जनवृत - 5, बोकारो इस्पात नगर , झारखण्ड से
(छमाही पत्रिका अप्रैल 2019 से सितम्बर 2019 तक)

30–4–2019 (1)

चिन्मय विद्यालय के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

यश वर्णवाल 99.82 प्रतिशत

175 से अधिक छात्र सफल

50 छात्रों ने पाया 95 या उससे अधिक

100 छात्रों ने पाया 90 या उससे अधिक

111 छात्रों ने पाया 80 या उससे अधिक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई–मेंस) 2019 में चिन्मय विद्यालय, बोकारो के छात्र–छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन परीक्षा फेज–2 में विद्यालय के 50 छात्रों ने 95 प्रतिशत, 100 छात्रों ने 90 व 111 छात्रों ने 80 परसेंटाइल प्राप्त किया। यश वर्णवाल को 1241 रैंक, आदित्य झा को 3161, प्रतीक दुर्गापाल को 3700, अनिश सापरिया को 4613, शुभम को 5369, अनुज कुमार को 5700 वाँ रैंक प्राप्त हुआ । छात्रों के शानदार प्रदर्शन के लिए विद्यालय प्रबंधन, अभिभावक व शिक्षकगण काफी उत्साहित नज़र आए।

इस अवसर पर विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी व चिन्मय विद्यालय बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद जी ने शुभकामना देते हुए कहा कि ये मेधावी बच्चे आने वाले भविष्य के निर्माता हैं। इनके हाथों में ही देश का भविष्य है। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य के लिए बेहतर माहौल तैयार कराता है एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल वातावरण तैयार कर छात्रों की तैयारी करायी जाती है।

उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा ने कहा–पिछले कई वर्षों से हमारे छात्र बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं एवं समाज में उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं । हमारे मेधावी छात्र औरों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस सफ़लता पर उन्होंने सफ़ल हुए छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों को ढेरों शुभकामनाएँ दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

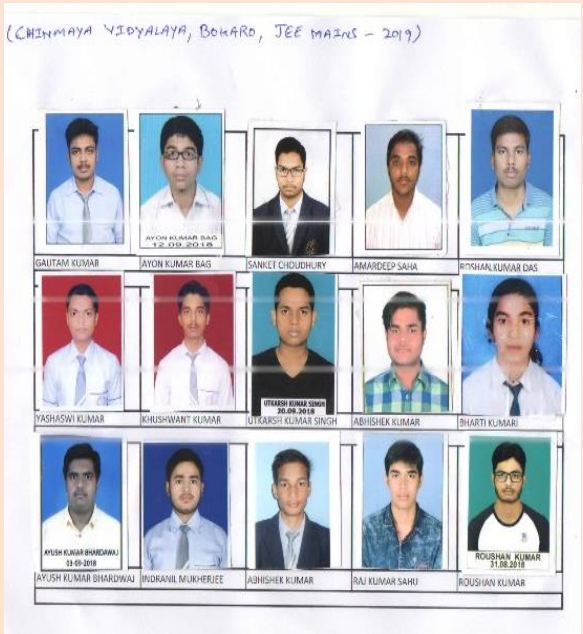

चिन्मय विद्यालय में 12वीं के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- नेहा बुधिया बनी विद्यालय टॉपर–वाणिज्य संकाय में मिला 97.8 प्रतिशत
- दूसरे स्थान पर रहे निशांत नयन, वाणिज्य संकाय में उन्हें मिला 97.4 प्रतिशत
- विज्ञान संकाय में मनीष कुमार रहे टॉपर उन्हें 97.2 प्रतिशत अंक मिला
- कला संकाय के टॉपर रहे कृष्णा कुमार सिंह उन्हें 95.8 प्रतिशत मिला
- साथ ही राजनीतिक विज्ञान में उसे 100 प्रतिशत अंक मिले
- कुल 166 बच्चों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुआ
- आठ बच्चों को विभिन्न विषयों में 100 प्रतिशत अंक मिले
- शारीरिक शिक्षा में चार, लेखाशास्त्र में एक,
- गणित में एक, अर्थशास्त्र में एक, राजनीति विज्ञान में एक।

सीबीएसई 2019 की बारहवीं के परीक्षाफल के प्रकाशित होने से चिन्मय विद्यालय, बोकारो के प्रागंण में हर्ष और उल्लास का माहौल छा गया, अन्य वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यालय का परिणाम काफ़ी शानदार रहा है। हमेशा की तरह इस बार भी विद्यालय का 100 प्रतिशत परिणाम रहा। कुल 166 बच्चों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं। विद्यालय के इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय सचिव श्री महेश त्रिपाठी ने शिक्षक और छात्रों को हार्दिक बधाई देते हए कहा कि, प्रबंधन, शिक्षक, छात्र एवं अभिभावक के सम्मिलित प्रयास से ऐसा शानदार परीक्षाफल प्राप्त हुआ है और आने वाले वर्षो में यह और भी बेहतर होने वाला है।
विद्यालय के विभिन्न संकाय के टॉप तीन छात्र–छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं –
वाणिज्य संकाय

1. नेहा बुधिया – 97.6 प्रतिशत, अकाउंट में 100 प्रतिशत
2. निशांत नयन – 97.4 प्रतिशत
3. रानी अग्रवाल – 97.2 प्रतिशत

विज्ञान संकाय

1. मनीष कुमार – 97.2 प्रतिशत
2. महाश्वेता महेश्वरी – 96.4 प्रतिशत
3. अपर्णा सरकार – 96.2 प्रतिशत
4. अदिति चौधरी – 96.2 प्रतिशत

कला संकाय

1. कृष्णा कुमार सिंह – 95.8 प्रतिशत, राजनीति विज्ञान में 100 प्रतिशत
2. गौतम कुमार गुंजन – 95 प्रतिशत
3. साहिल बागची – 94.6 प्रतिशत

इसके अतिरिक्त जिन आठ बच्चों को विभिन्न विषयों में 100 प्रतिशत अंक मिले हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं –

1. हर्ष आनंद — शारीरिक शिक्षा शास्त्र में 100 प्रतिशत
2. सचिन राय — शारीरिक शिक्षा शास्त्र में 100 प्रतिशत
3. उमा कुमारी — शारीरिक शिक्षा शास्त्र में 100 प्रतिशत
4. रानी अग्रवाल — शारीरिक शिक्षा शास्त्र में 100 प्रतिशत
5. शुभम कुमार राउत — गणित में 100 प्रतिशत
6. नेहा बुधिया — लेखाशास्त्र में 100 प्रतिशत
7. विदिशा झा — अर्थशास्त्र में 100 प्रतिशत
8. कृष्णा कुमार सिंह — राजनीतिक शास्त्र में 100 प्रतिशत

विद्यालय के उप–प्राचार्य ने जानकारी देते हुए कहा कि कुल 166 बच्चों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं। आगे हमारा प्रयास रहेगा कि यह संख्या और अधिक हो। इस सफलता के लिए उन्होंने प्रबंधन, शिक्षक एवं छात्रों को धन्यवाद दिया जिनके सम्यक् प्रयास से यह सराहनीय सफ़लता मिली है।
हमेशा की भाँति इस बार भी विद्यालय का परिणाम 100 प्रतिशत रहा है।
इस स्वर्णिम सफ़लता के लिए चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति, श्री विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्राचार्य डॉ अशोक सिंह ने सभी छात्रों, उनके अभिभावकों तथा शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इन सभी को हम सभी की तरफ से ढ़ेरों शुभकामनाएँ है तथा आशा है कि भविष्य में विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में और भी उन्नत प्रदर्शन करेगा।

3-5-2019 (3)

चिन्मय के चार छात्र एन.टी.एस.सी. में सफल

झारखंड एकेडेमिक काउंसिल द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता 2018–19 में चिन्मय विद्यालय के चार छात्रों ने सफलता प्राप्त की जिसमें अक्षत आयुष मोदी ने पाँचवाँ, राणा हर्षराज सिंह ने आठवाँ, कनिष्क मिश्रा ने 13वाँ व स्मृति राज ने 14वाँ स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।
बच्चों की सफलता पर सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ अशोक सिंह, उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा ने शुभकामनाएँ दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
उन्होंने कहा कि बच्चों की सफलता में उनकी मेहनत व लगन के साथ साथ शिक्षक सुद्धिष्ट नारायण झा व समन्वयक गोपाल चंद मुंशी के मार्गदर्शन में विशेष सहयोग रहा।

4–5–2019 (4)

चिन्मय विद्यालय में आयोजित हिंदी कार्यशाला का आयोजन

चिन्मय विद्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ अशोक सिंह, उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा, बी महाराजा कुमारी, गोपाल चंद मुंशी, कविता सिन्हा उपस्थित थे। इस कार्यशाला का मुख्य विषय : हिंदी शिक्षिकों का व्यक्तित्व विकास एवं हिंदी शिक्षण में आने वाली समस्याएँ थीं।

सचिव महोदय ने व्याख्यान देते हुए कहा कि 'व्यक्तित्व' मनुष्य के गुणों का सम्मिलित रूप है। हमारा भारत देश 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की धारणा से प्रेरित है और इस कारण भारत के प्रत्येक घरों में हिंदी का स्थान है, क्योंकि हिंदी मातृभाषा है तथा प्रत्येक घर की बोलचाल की भाषा है। उन्होंने व्यक्तित्व को परिभाषित करते हुए कहा है कि एक शिक्षक अनुशासित, कर्त्तव्यनिष्ठ तथा धैर्यवान होता है। इस कार्यशाला में उन्होंने कुछ मुख्य बातें कही कि वर्तमान के प्रासंगिक कवियों एवं साहित्यकारों का भी वर्णन पठन–पाठन में करना चाहिए ताकि इससे छात्रों को आधुनिक साहित्य का भी ज्ञान प्राप्त हो सके।

इस कार्यशाला में रेणु सिंह, आभा सिंह, पूजा सिंह, नीलिमा कुमारी एवं पंकज कुमार मिश्र ने कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया, जिसमें मुख्य विषय–व्यक्तित्व का अर्थ, व्यक्तित्व की विशेषताएँ, व्यक्तित्व के मापन की विधियाँ तथा हिंदी शिक्षण में आने वाली समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की गई । इस कार्यशाला में नर्सरी से दसवीं तक के हिंदी एवं संस्कृत विषय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यशाला का धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ हिंदी शिक्षक बीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने दिया।

6–5–2019 (5)

दसवीं में चिन्मय की ऐतिहासिक सफलता

- **98.6 प्रतिशत अंक लाकर स्मृति राज बनी विद्यालय की टॉपर**
- **पाँच मुख्य विषय में मिले 99.6 प्रतिशत**
- **शत–प्रतिशत परीक्षाफल की उपलब्धि के साथ 11.5 प्रतिशत बच्चे को 95 प्रतिशत से अधिक मिला**
- **30 बच्चों को आईटी में मिले 100 प्रतिशत**
- **विभिन्न विषयों में 46 बच्चों को शत–प्रतिशत अंक मिले हैं।**

2019 के सी बी एस ई के दसवीं के परीक्षा परिणाम में चिन्मय विद्यालय के छात्रों ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। विद्यालय का परिणाम हमेशा की भाँति शत–प्रतिशत रहा है। स्मृति राज 98.6 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय की टॉपर बनी हैं, उन्हें मुख्य पाँच विषयों में 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए है। (संस्कृत–100, गणित–100, समाज शास्त्र 100, आई टी 100, अंग्रेज़ी–98, विज्ञान–95)। चिन्मय से कुल 208 बच्चे इस बार परीक्षा में सम्मिलित हुए थे और हमेशा की भाँति विद्यालय का परिणाम शत– प्रतिशत रहा है। 11.5 प्रतिशत बच्चों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है तथा 90 प्रतिशत से अधिक लाने वाले बच्चों का

प्रतिशत 41.3 प्रतिशत रहा है। सबसे बड़ी बात इस वर्ष के परिणाम के साथ यह रही है कि कई बच्चों को विभिन्न विषयों में शत–प्रतिशत अंक मिले हैं, संस्कृत में 6, गणित में 5 सामाजिक विज्ञान में 5. और आई.टी में 30 बच्चों को 100 प्रतिशत अंक मिले हैं।

95 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों के नाम इस प्रकार हैं।

1. स्मृति राज – 98.6 प्रतिशत
2. भरत काबरा – 97.4 प्रतिशत
3. शोभित कश्यप – 97.2 प्रतिशत
4. अभिनव प्रकाश – 96.8 प्रतिशत
5. हर्षवर्धन – 96.8 प्रतिशत
6. भाविका – 96.6 प्रतिशत
7. अरिन्दम पॉल – 96.4 प्रतिशत
8. अभिजीत कुमार – 96.4 प्रतिशत
9. कृतिका झा – 96.2 प्रतिशत
10. ज्योतिर्मयी कर – 96.2 प्रतिशत
11. ऋषिदीप शिखा – 96 प्रतिशत
12. खुशी – 96 प्रतिशत
13. कुशाग्र – 95.8 प्रतिशत
14. अभय कुमार – 95.8 प्रतिशत
15. प्रज्वल प्रसून – 95.8 प्रतिशत
16. अनिरुद्ध पांडा – 95.6 प्रतिशत
17. आदर्श सिंह – 95.6 प्रतिशत
18. उत्कर्ष गुप्ता – 95.4 प्रतिशत
19. राम – 95.4 प्रतिशत
20. श्याम – 95.2 प्रतिशत
21. अपूर्वा काबरा – 95.2 प्रतिशत
22. तनिष्क मिश्रा – 95 प्रतिशत
23. तरुण गौरव – 95 प्रतिशत
24. बाला आर्यण सिंह – 95 प्रतिशत

इस ऐतिहासिक सफलता के लिए सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्रबंधन समिति चिन्मय विद्यालय ने सभी शिक्षकों छात्रों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के छात्रों को इस ऐतिहासिक सफ़लता पर हार्दिक बधाई देता हूँ, उन्होंने कहा यह सफलता शिक्षकों के निर्देशन, कड़ी मेहनत एवं छात्र तथा अभिभावकों के परिश्रम के परिणाम स्वरूप मिली है और उम्मीद करता हूँ कि आगे आने वाले वर्षों में विद्यालय और भी बेहतरीन परिणाम प्राप्त करेगा। ''प्राचार्य डॉ अशोक सिंह ने अपने दूरभाषिक संदेश में उत्कृष्ठ परीक्षाफल के लिए परमपूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयनंद की कृपा व गरूजी के आशीर्वचन को दिया और उन्होंने सभी सफल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा ने सभी सफल छात्रों को बधाईयाँ दी और कहा कि – छात्र–अभिभावक, शिक्षक एवं प्रबंधक के समन्वयक प्रयास से विद्यालय गौरवान्वित हुआ है। आगे आने वाले वर्षों में विद्यालय का लक्ष्य और ऊँचा होगा। विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, परम–पूज्य स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, आचार्या, चिन्मय मिशन केन्द्र, बोकारो ने भी अपना हर्ष व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों एवं छात्रों को हार्दिक बधाई दी है।

इस अवसर पर वृजमोहन लाल दास, नरमेन्द्र कुमार, गोपाल चंद मुशी, बी महाराज कुमारी, बी के श्रीवस्तव, कृष्णा पद गोरांई, सोनाली गुप्ता, शैवाल गुप्ता, राहुल रॉय, संजीव मिश्रा हरिहर पांडे, संजीव सिंह, एवं रजनीश, रणधीर नारायण व अन्य शिक्षकों ने भी छात्रों को बधाईयाँ दी ।

7–5–2019 (6)

चिन्मय विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों के द्वारा दो मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

चिन्मय विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों ने आर्थिक रूप से असमर्थ परन्तु मेधावी छात्रों के लिए एक स्कालरशिप योजना है। इस योजना के तहत कक्षा–ग्यारहवीं के दो छात्रों को चिन्मय विद्यालय में दो वर्ष तक निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। ''चिन्मय स्माइल बैक'' नामक यह संगठन पिछले 11 वर्षों से यह स्कालरशिप प्रदान करता आ रहा है और अब तक 20 छात्रों को पढ़ा चुका है। बोकारो और उसके आस–पास के जिलों के छात्र इसकी सहायता से अपनी शिक्षा चिन्मय विद्यालय जैसे अच्छे स्कूल से पूरी कर सकते हैं और अपना भविष्य संवार सकते हैं।

इस सम्बन्ध में ''चिन्म्य स्माइल्स बैक'' के संजीव मिश्रा ने बताया की यह स्कालरशिप उन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए है, जो आर्थिक रुप से सबल नहीं है, जिन छात्रों को दसवीं कक्षा में 92 प्रतिशत या उससे अधिक अंक आए हैं वे इस स्कालरशिप के लिए आवेदनपत्र भेज सकते हैं। इन आवेदन पत्रों में दो छात्रों का चयन होगा और उन्हें दो साल तक निःशुल्क पढ़ाया जायेगा। स्कूल यूनिफार्म भी दी जाएगी और स्कूल आने के बस भी मूफ्त कर दी जाती है।

आवेदन पत्र में अपने नौंवीं और दसवीं कक्षा के अंक और अपने और अपने परिवार के बारे में एक संक्षिप्त निबंध लिखना होगा और उसे या तो alumni.chinmaya@gmail.com पर ईमेल करना होगा या चिन्मय विद्यालय के ऑफिस कार्यालय में जमा करना होगा।

8-5-2019 (7)

स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की 103वीं जयंती मनायी गयी।

- गुरुदेव के 108 नामों का उच्चारण किया गया।
- भजन, नृत्य, नाटिका का भव्य संचालन हुआ ।
- चिन्मय विद्यालय की ओर से पुस्तक एवं अन्न दान दिया गया।
- पुर्वछात्रों द्वारा अभिभावकों के लिए ठंडे पानी हेतु फ्रीज लगाया गया।
- 11 दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का उद्घाटन हुआ
- शिविर में अंग्रेजी, संगीत व खेल में सैकड़ो बच्चों ने हिस्सा लिया।

पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयनंद सरस्वती की 103वीं जन्म दिवस को चिन्मय विद्यालय, बोकारो ने धूम–धाम से मनाया। इस अवसर पर विद्यालय में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के भव्य तपोवन सभागार में स्वामी चिन्मयनंद की पूजा की गई। गुरुदेव के 108 नामों का उच्चारण किया गया। पूजा में विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ अशोक सिंह, व उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा व अन्य शिक्षक व शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। गुरुदेव जंयती के शुभ अवसर पर कक्षा छठीं एवं सातवीं के छात्र–छात्राओं द्वारा गीत, नृत्य व नाटिका (हमारे गुरु चिन्मय स्वामी) प्रस्तुत कया गया। उनके जीवन पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरुदेव समय के पाबंद थे। वे भगवद्गीता के प्रचार–प्रसार के लिए विश्व में जाने जाते हैं।

प्राचार्य डॉ अशोक सिंह ने सभी को संबोधित करते हूए कहा कि परमपूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयनंद जी महाराज एक स्वतंत्रता सेनानी, एक प्रखर लेखक, शिक्षाविद्, पत्रकार व विश्व विख्यात धर्म–प्रचारक थे। उन्होंने कहा कि गुरुदेव के एक आदर्श का भी अगर हम जीवन में पालन करते हैं, तो जीवन सफल हो जाता है।

आज चिन्मय विद्यालय की ओर से उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चिरा चास में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए सभी विषयों के पुस्तक वितरित किए गए। इस दौरान विद्यालय के उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा, गौतम नाग, एस एन झा, मोहन साव, पंकज कुमार व संजीव सिंह उपस्थित थे।

चिन्मय विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों (चिन्मय एलुमनी एसोसिएशन) द्वारा गुरुदेव जयंती के शुभ अवसर पर विद्यालय परिसर में अभिभावकों की सुविधा के लिए ठंडे पानी हेतु फ्रीज लगाया गया साथ ही मानव सेवा आश्रम में सभी के लिए अन्न व मिठाई का वितरण किया गया। रक्त दाताओं को प्रशस्ति–पत्र दे कर सम्मानित किया गया।

इस शुभ अवसर पर चिन्मय विद्यालय, बोकारो में 11 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर में बच्चे के अंदर नेतृत्व की क्षमता, टीम भावना, आत्म विश्वास व तकनीक का विकास होता है। यह शिविर अंग्रेजी हेतु (फन–इंग्लिश एंड फिएसटा)–चार दिवसीय, संगीत हेतु (तरगिनी) व स्पोर्टस हेतु (ग्रीष्म क्रीडा उत्सव) 11 दिनों के लिए आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। अंग्रेजी में ग्रुप डिस्कशन, भाषण–प्रतियोगिता, स्पॉट लेखन, संगीत में तबला, गिटार, हारमोनियम, गायन व नृत्य, स्पोर्टस में फुटबॉल, क्रिकेट, वास्केटवॉल, वालीवॉल का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों के द्वारा दिया गया। जिससे बच्चों को शारीरिक व मानसिक क्षमता से सुदृढ़ बनाया गया। नरमेन्द्र कुमार, वृजमोहन लाल दास, गोपाल चंद मुशी, बी महाराज कुमारी, कविता सिन्हा एवं विद्यालय के सभी शिक्षकेतरगण मौजूद थे। शिविर प्रभारी डॉ रौशन शर्मा, डॉ दीपक कुमार, रीमा गुप्ता, सुब्रतो गुप्ता, सुनील कुमार (अंग्रेजी के प्रशिक्षक), सिवेन चक्रवर्ती, जय किशन राठौर, रूपक झा, दिनेश, रेनु साह, जयश्री (संगीत), हरिहर पाडें, संजीव सिंह, प्राजांल सेकिया, उज्ज्वल, सुरजीत, रौशन, सौरभ, मधुमिता, नुपूर (ग्रीष्मकालीन कालीन शिविर) उपस्थित थे।

8.–5–19 (8)

चिन्मय विद्यालय में ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

चिन्मय विद्यालय में ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 8 से 18 मई तक किया गया। इस दौरान खेल जगत के विभिन्न क्षेत्रों से अंतराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक बच्चों से मिलकर उनका हौशला बढ़ाते हैं एवं खेल के महत्व को बताते हैं। इसी संदर्भ में अंतराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी अनूप कुमार मिंज नन्हे–नन्हे होनहार खिलाड़ियों से मिले एवं उन्हें जीवन में खेल के महत्त्व को बताया। उन्होंने कहा कि आज हमारे समाज में पढ़ाई के साथ–साथ खेल–कूद व शारीरिक शिक्षा का विशेष स्थान है। खेल से जीवन में शरीर तो स्वस्थ रहता ही है साथ ही खिलाड़ियों में नेतृत्त्व की क्षमता का विकास होता है।

खेल के क्षेत्र में एवं खेल के माध्यम से हम समाज में विशेष पहचान बना पाते हैं। जीवन के हर क्षेत्र में खेल–कूद व शारीरिक शिक्षा के माध्यम से विशिष्ट स्थानो को प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर सर्वप्रथम अनूप कुमार मिंज का कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 रौशन शर्मा एवं ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर के संयोजक संजीव सिंह ने पुष्प–गुच्छ देकर स्वागत किया। साथ में उज्जवल बाउरी, सुरोजीत मंडल, मधुमिता, रौहन झा, नुपूर टोप्पो (अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी भी उपस्थित थे।

18–5–2019 (9)

चिन्मय विद्यालय में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन । प्रशिक्षण शिविरों से भविष्य के होनहार खिलाड़ी बनते हैं।

चिन्मय विद्यालय, बोकारो के भव्य तपोवन सभागार में 11 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का सफ़लतापूर्वक समापन किया गया। विद्यालय समिति के कोषाध्यक्ष आर. एन. मल्लिक, प्राचार्य डॉ0 अशोक सिंह, व उपप्राचार्य ए के झा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अंशिका व हर्षिता ने गुरु स्तुति एवं नृत्य द्वारा सभी का स्वागत किया। क्रिड़ा विभाग द्वारा ऐरोबीक एवं सुर्य नमस्कर प्रस्तुत किया गया। संगीत विभाग द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिस में की–बोर्ड एवं तबला, पर शानदार प्रस्तुति की गई। श्रेयष, शिवंक, दीक्षा वं आदित्य ने हारमोनिक मेलोडी प्रस्तुत की।

अपने संबोधन में विद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अशोक सिंह ने कहा कि जो कोशिश आज बच्चों ने की है यही प्रयास इन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करती है। बच्चे जब खेलने के लिए, पढ़ने के लिए, नृत्य के लिए, गाने के लिए जिद्द करने लगे तो आप समझ लें कि वह सही प्रयासों कर रहा है। ऐसे ही प्रयासो से बच्चे असाधारण बनकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हैं।

सभी बच्चौं को कोषाध्यक्ष आर. एन मल्लिक, प्राचार्य डॉ0 अशोक सिंह, व उप–प्राचार्य अशोक झा ने प्रमाण प्रत्र देकर सम्मानित किया।

डॉ0 रोशन शर्मा ने विद्यालय प्रबंधन, सभी प्रशिक्षकों, बच्चों व अभिभावकों, को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की सूत्रधार श्वेता झा थीं। इस अवसर पर, वृजमोहन लाल दास, नरमेंद्र कुमार , हरि हर पाण्डे, गोपाल चंद्र मुंशी, संजीव सिंह, उज्ज्वल, सुरोजीत, रोहन, मधुमिता, नुपूर टोप्पो, शिवेन चक्रवर्ती, जय किशन राठौर, रूपक झा, जय श्री, रणधीर नारायण, रजनीश चौधरी, निखिल चंद्र मिश्रा व अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे।

11-6-2019 (10)

टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट

चिन्मय विद्यालय के भव्य स्वामी तेजोमयानंद सभागार में टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी व उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यशाला के प्रवक्ता अशोक कुमार झा ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा में क्वालिटी मैनेजमेंट का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोई भी शिक्षण संस्थान में शिक्षा सबसे अहम् है। शिक्षा उच्च कोटि की होनी चाहिए। उच्च शिक्षा के लिए सभी शिक्षकों का साथ मिलकर छात्र–छात्राओं की योग्यता के आधार पर उन्हें उचित शिक्षा देना हमारा कर्त्तव्य है।

उन्होंने क्वालिटी शिक्षा के मापदंड को बड़े ही आसान तरीके से समझाया। दूसरे सत्र में उन्होंने बताया कि उच्च कोटि की शिक्षा के लिए क्या, कब और कैसे प्लानिंग करनी चाहिए। इसके बाद उन्होंने टी क्यू एम के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में बताया।

पूरा टी क्यू एम 5 डब्ल्यू 1एच पर निर्भर करता है, हाउ (कैसे), हू (कौन), व्हाट (क्या), व्हैन (कब), वाई (क्यों) व हयेर (कहाँ)। मुख्य अतिथि सचिव, महेश त्रिपाठी ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है समय–समय पर अपनी समीक्षा करना तथा समय के साथ खुद को अप–टू–डेट रखना।

कार्यशाला में संगीत विभाग द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर वृजमोहन लाल दास, नरमेन्द्र कुमार, गोपाल चंद मुंशी, कविता सिन्हा, गौतम नाग, डॉ रोशन शर्मा, हरिहर पांडे, एस एन झा, संजीव सिंह, अमरेन्द्र उपाध्याय सहित सभी शिक्षक–गण उपस्थित थे।

12–6–2019 (11)

चिन्मय विद्यालय के भव्य तपोवन सभागार में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियो का स्वागत किया गया

कार्यक्रम का शुभांरभ स्वामिनी संयुक्तानदं, आचार्या, चिन्मय मिशन, बोकारो, विश्वरूप मुखोपाध्याय, अध्यक्ष चिन्मय विद्यालय, महेश त्रिपाठी, सचिव–चिन्मय विद्यालय, आर एन मल्लिक कोषाध्यक्ष, चिन्मय विद्यालय, प्राचर्य डॉ0 अशोक सिंह व उप–प्राचार्य अशोक झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

सुप्रिया चौधरी ने संबोधित करते हुए विद्यालय के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं व नियमों की जानकारी दी, स्नेहा पाण्डे एवं निशा ने विद्यालय के वेवसाइट से संबंधित सभी जानकारियाँ दी।

स्वामिनी संयुक्तानंदा ने अपने आशीर्वचन मे कहा कि हमेशा अपने बड़ो की बातें ध्यानपूर्वक सुनें एवं उनकी बातों का अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि जीवन में युवावस्था में हमेशा सँभल कर चलना चाहिए। कई लघु कथाएँ सुनाकर बच्चों को प्रेरित किया।

प्राचार्य डॉ0 अशोक सिंह ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है। हमेशा अपने कर्त्तव्य, अपने माता–पिता के लिए, गुरुजन के लिए व पढ़ाई के लिए ईमानदार रहें। जीवन में ये दो वर्ष यानी ग्यारहवीं व बारहवीं बहुत महत्त्वपूर्ण है। आपका संयम, समय प्रबंधन एवं मेहनत आपको नए शिखर पर पहुँचा सकता है।

हमेशा सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ें। तत्पश्चात् उन्होंने विषयवार सभी शिक्षको का परिचय करवाया। उप–प्राचार्य अशोक कुमार झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

13 / 6 / 2019 (12)

चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य डॉ अशोक सिंह का विदाई समारोह

- अपने विदाई समारोह में भी पढ़ाया ए, बी, सी, डी, ई, एफ . . .
- डॉ अशोक सिंह एक आदर्श प्रबंधक–स्वामिनी संयुक्तानंद
- रिटायर नहीं रिस्टार्ट हो रहे हैं – विश्वरूप मुखोपाध्याय
- डॉ अशोक सिंह एक गणितज्ञ, शिक्षाविद, के साथ–साथ बेहतरीन कवि भी हैं – महेश त्रिपाठी
- शिक्षा जगत के कई पुरस्कारों से हो चुके हैं सम्मानित ।

चिन्मय मिशन, चिन्मय विद्यालय, अभिभावक, एलुमिनी व बच्चों . . . .

नम आँखें, दिल में यादों के साथ आज चिन्मय विद्यालय के स्वामी तेजोमयानंद सभागार में चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य व झारखंड के प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ अशोक सिंह को विदाई दी गई।

आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद, अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, उप प्राचार्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

डॉ दीपक कुमार ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि अशोक सर ने हमेशा शिक्षकों एवं उनके कैरियर को निखारा है। हमेशा उन्होंने एक भाई बनकर, पिता बनकर सभी की मदद की है। विजय भौमिक, श्यामल करमाकर, चिन्मय ओझा, सुप्रिया चौधरी, पुनीत दोषी, डॉ शुभ्रा मुखोपाध्याय, विजय गोप अपने–अपने अनुभवों को साझा करते समय काफी भावुक हो गए एवं अपने आँसुओं को रोक नहीं सके।

स्वामिनी जी ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि डॉ अशोक जी एवं बेहतरीन प्रबंधक हैं। उन्होंने हमेशा चिन्मय मिशन व चिन्मय विद्यालय की सेवा की है। उन्होंने हमेशा ही विद्यालय के विकास के लिए अतुलनीय कार्य किया है। सही मायने में वे मेरे पिता तुल्य हैं। उन्होंने मेरा भी मार्गदर्शन किया है। वे गुरुदेव के सच्चे भक्त हैं उनपर गुरुदेव की विशेष कृपा रही है। उन्होंने जीवन के सभी ऊँचाईयों को पाया है। शिक्षा–जगत के कई पुरस्कारों में भारत सरकार द्वारा महामहिम राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के हाथों राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, चिन्मय गौरव अवार्ड, सीबीएसई बेस्ट टीचर अवार्ड, तीन बार एस ओ एफ बेस्ट प्रिंसीपल अवार्ड, ब्रिटिश्स काउंसिल द्वारा ग्लोबल टीचर अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपाध्याय ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि डॉ अशोक सिंह **रिटायर** नहीं हो रहे हैं बल्कि **रिस्टार्ट** हो रहे हैं। आज से नई जिंदगी एवं नई जिम्मेदारी के साथ जीवन जीने की ढ़ेरों शुभकानाएँ।

सचिव महेश त्रिपाठी ने अपने संबोधन करते में कहा कि एक शिक्षाविद एवं, एक अच्छे इंसान के साथ–साथ डॉ अशोक सिंह एक मृदुभाषी इंसान भी हैं। ये चौबीसो घंटे सातों दिन पाये जाने वाले प्राचार्य हैं। ये हमेशा ही सहयोगी रहे हैं। एक अच्छे लेखक के साथ–साथ कवि भी हैं। उन्होंने विद्यालय की तरक्की, उत्थान के लिए दिन–रात मेहनत की है। उन्होंने शिक्षा–जगत में काफी सराहनीय कार्य किए हैं।

प्राचार्य डॉ अशोक सिंह ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि विद्यालय की प्रेरणा से सभी ने मेरा पूरा समर्थन किया है। उन्होंने चिन्मय मिशन, चिन्मय विद्यालय, अभिभावकों, बच्चों को खासकर धन्यवाद दिया। कहा कि वे सभी अभिभावक धन्यवाद के पात्र है, जिन्होंने हमारे विद्यालय पर विश्वास कर अपने दिल के टुकड़े को हमें सौंपा। हमने पूरी कोशिश की उनके सपनों को पूरा करने की। उन्होंने चिन्मय सेन्ट्रल मिशन ट्रस्ट के अधिकारियों, चिन्मय मिशन के सदस्यों, पत्रकार बंधुओं (इलेक्ट्रॉनिक एवं मीडिया) एवं ज्लिा प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमने यहाँ गुरुदेव की कृपा अनुभव की है। गुरुदेव स्वामी चिन्मयनंद,

स्वामी तेजोमयानंद, स्वामी स्वरूपानंद, स्वामिनी विमलानंदा, रमणी त्यागराजन, शांति कृष्णामूर्ति, पूर्व निर्देशक टी आर के कृष्णास्वामी, पूर्व प्राचार्या हेमलता विश्वास, सहित सभी शिक्षकों को दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में दृढ़ निश्चय एवं सच्ची लगन से आगे बढ़े, तो कामयाबी आपके पास होगी।

डॉ अशोक सिंह ने अपने आखिरी दिनों के कार्यकाल में सभी बच्चों एवं शिक्षकगण को जीवन के पाठ से इस तरह से अवगत कराया –

ए–अवेयर (अपने परिवार का ख्याल रखें), बी–बल्ले–बल्ले (जीवन में मस्त रहें), सी–कॉल हिम (ईश्वर को सदा याद करें), डी–डिसर्व, ई–इंजॉय करें, एफ–फ्लाई (अपने सपनों के साथ उड़ना सीखें।

प्राचार्य ने उन सभी बच्चों को धन्यवाद दिया, जो इस प्रतिष्ठित विद्यालय से अध्ययन के बाद विश्व के कोने–कोने मे ंजाकर अपनी सेवा दे रहे हैं और जिन्होंने अपने विद्यालय, माता–पिता व देश का नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर डॉ दीपक कुमार, गौतम नाग, नरमेन्द्र कुमार, वृजमोहन लाल दास, हरिहर पाडें, गोपाल चंद्र मुंशी, कविता सिन्हा, संजीव सिंह, शंभुनाथ झा, अमरेन्द्र उपाध्याय, सुप्रिया चौधरी, पुनीत दोषी, चिन्मय ओझा, रजनीश चौधरी, मंतोष कुमार, परम सुख मिश्रा, व विद्यालय के शिक्षकेतरगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन अंग्रेज़ी शिक्षक सुनील कुमार ने किया।

14/6/2019 (13)

जेईई एडवांस 2019 में चिन्मय विद्यालय के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- **यश वर्णवाल ने एआईआर में 840वाँ स्थान हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया**
- **विद्यालय के 45 से ज्यादा छात्रों ने जेईई एडवांस 2019 में सफलता हासिल की।**

जेईई एडवांस 2019 की परीक्षा में चिन्मय विद्यालय, बोकारो के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। बोकारो के गरिमामय इतिहास को बरकरार रखते हुए 45 से अधिक छात्रों ने अपनी योग्यता का लोहा मनवाया। यश वर्णवाल ने 840वाँ रैंक(जेनरल), चित्तरंजन हेम्ब्रम ने 533 वाँ (अनु. जाति श्रेणी) स्थान प्राप्त किया। सफल छात्रों में अनीश साप्रिया, मिलन कुमार, गौतम कुमार, शुभम, सौरभ कुमार, आदित्य झा, अनुज कुमार, मनदीप, मितेश कुमार, श्रेया सिंह, रितेश महतो, अनिकेत अग्रवाल, प्रियंका सिन्हा, अभिषेक कुमार, वेदांत अग्रवाल, मनीष कुमार, कार्तिक सिन्हा, सिद्धांत जैन, मेहुल सिंह, रोशन कुमार दास, आदित्य कुमार, रवि राज, उमंग अनंत, शुभम कुमार राउत, अमित कुमार सहित 45 से ज्यादा छात्रों ने जेईई एडवांस 2019 में सफलता हासिल किया।

छात्रों के इस शानदार प्रदर्शन से विद्यालय में हर्ष उल्लास का माहौल है। छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुए स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, आचार्य चिन्मय मिशन केन्द्र, बोकारो, विद्यालय प्रबंधन ने छात्रा एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाईयाँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बी मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्रभारी–प्राचार्य अशोक कुमार झा, वरीय शिक्षक शंभु नाथ झा, नरमेन्द्र कुमार, अमरेन्द्र उपाध्याय, केशव कुमार तिवारी, गोपाल चंद्र मुशी, लीला सिंह, सुधा बाला, कुमारी निशा, संजीव सिंह, उत्पल मित्रा, चंदन कुमार, सुनील कुमार उपस्थित थे ।

21–6–19 (14)

चिन्मय विद्यालय में 5वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस धूम–धाम से मना

चिन्मय विद्यालय के तपोवन सभागार में 5 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।इस अवसर पर छात्र–छात्राओं को योग के महत्व को बताया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। साथ ही योग प्रशिक्षक शत्रुघन सिंह भी मौजूद थे। लगभग 200 छात्रों को संबोधित करते हुए शत्रुघन सिंह ने बताया कि योग भारत की अस्मिता की पहचान है। आज योग का महत्त्व और उसकी शोहरत विश्वभर में फैल गई है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भी 21 जून को पुरे में विश्व अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रुप में मनाया जाता है।

उन्होने सभी लोगों को योग के कुछ आसन सिखाये। उनमें पद्मासन, वृक्षासन, ताड़ासन, शवासन, त्रिकोणासन जैसे कई आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया एवं उसकी महत्ता को बताया। उन्होंने योग को जीवन का हिस्सा बनाने का अनुरोध किया। बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी योग के गुण सीखे। साथ ही सभी ने यह प्रण लिया कि योग को जीवन का एक अभिन्न अंग बनाएँगें। इस अवसर पर प्रांजल सेकिया, उज्ज्वल, रोहन, मधुमिता, नेहा सिन्हा, अकांक्षा, स्वाति, अंकिता व अन्य शिक्षक व शिक्षकेत्तरगण उपस्थित थे ।

21–6–2019 (15)

चिन्मय विद्यालय में नवांकुर काव्य गोष्ठी

चिन्मय विद्यालय के छात्र–छात्राओ ने अपनी नवीन एंव स्वरचित कविताओं एवं रचनाओं से श्रोताओं को ओत–प्रोत कर दिया। नवांकुर काव्य गोष्ठी में कक्षा छः से बारह तक के 15 बाल–कवि एवं 7 शिक्षक–शिक्षकाओं ने भाग लिया। वीर रस, श्रृंगार रस, हास्य रस एवं शायरी से परिपूर्ण बच्चों की रचनाओं ने एक समाँ बाँध दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सचिव महेश त्रिपाठी, प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार झा, शैक्षणिक निरीक्षक गोपाल चंद्रमुंशी, वी महाराज कुमारी, कविता सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अपने संबोधन मे सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि त्रिमाही में आयोजित होने वाली यह काव्य गोष्ठी उन सभी नवांकुर कवियों के लिये एक मंच प्रदान करता है, जहाँ वे सभी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

ऑनर कार्ड मेधावी छात्र हुए सम्मानित

चिन्मय विद्यालय के सिनियर सेकेन्डरी प्रार्थना सभा में ऑनर कार्ड के मेधावी छात्रों को पुष्प–गुच्छ एवं ऑनर–कार्ड देकर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार झा ने कहा कि इस सम्मान से बच्चे ऊर्जावान होते हैं। साथ ही उनका आत्मविश्वास बढ़ जाता है। ज्ञात हो कि 450 बच्चों में से परीक्षा के बाद 27 बच्चों का चयन उनकी योग्यता के आधार पर किया गया। सफ़ल बच्चों में शुभम कुमार, मुस्कान कुमारी, अपुर्वा सिंह, शुभदीप पॉल, विनय भट्टाचार्या , हर्षित रंजन, निलेश कुमार , जिया सिन्हा, मयंक, प्रतीक मिश्रा, आदित्या गौतम, आयुष वरियार, सत्यजीत उपाध्याय, उज्ज्वल कुमार मिश्रा, ह्रतिक राज, अद्रिजा गौस्वामी, रितु राज, मयंक कुमार, शुभम कुमार, क्षितिज आनंद, शुभम पाडें, प्रिया पलक, शिवम कुमार, विदुषी अग्रवाल, व राजन कुमार, शामिल थे।

सचिव महेश त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि ये होनहार बच्चे भविष्य में हमारे विद्यालय के साथ–साथ समाज का नाम रोशन करेंगे एवं देश के निर्माण मे अह्म भूमिका निभाएँगे। इस दौरान 8 वीं से 12 वीं तक के छात्र–छात्राएँ तथा शिक्षकगण उपस्थित थे।

1–7–2019 (17)

मीट द एचीवर

डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय, हिंदी विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची

चिन्मय विद्यालय के सप्तऋषि भवन में आज ''मीट द एचिवर्स'' कार्यक्रम के अर्न्तगत राँची विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के व्याख्याता डॉ0 जंगं बहादुर पाण्डेय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि..... नमन एवं मनन करने से मन को नियत्रिंत किया जा सकता है साथ ही गुरु द्वारा बताये गये मार्ग पर चलकर कठिन से कठिन मंज़िल को प्राप्त किया जा सकता है।

अच्छी सोच से, अच्छी विचार का जन्म होता है, अच्छे विचार से अच्छे काम, अच्छे काम से अच्छी आदतें। अच्छी आदतों से स्वभाव में सकारात्मक बदलाव आ जाता है। साथ ही अच्छी आदतों से भाग्य को बदला जा सकता है। उक्त बातें प्रोफेसर पाण्डेय ने बच्चों को ''सफलता के मत्रं'' कार्यक्रम में कही।

इससे पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया। उन्होने नवमी एंव दसवीं के छात्र–छात्राओं को सफलता के पाठ पढ़ाए एवं आदर्श बनने का मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि जीवन में सात जगहों पर बिना बुलाये जाना चाहिए। विद्यालय, पुस्तकालय, गुरूआलय, धर्मालय, अनुसंधालय, अनाथालय एवं शवालय। उन्होने चिन्मय विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि चिन्मय विद्यालय में संस्कृति, सभ्यता एवं शिक्षा का समावेश साफ़–साफ़ दिखता है। यही कारण है कि शिक्षा जगत में चिन्मय विद्यालय विशेष स्थान रखता है।

विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने उन्हे शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया। साथ ही प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार झा ने धन्यवाद देते हुए कहा कि ''मिट द एचिवर्स'' के माध्यम से हम बच्चों को सफल जीवन के लिए प्रेरित करते है। इस दौरान एच. आर (अधिशासी) सुप्रिया चौधरी, शैक्षणिक प्रभारी (9वी,10वी), गोपाल चंद्र मुंशी, प्रेस व मीडिया प्रभारी संजीव सिंह, सोनाली गुप्ता, प्रणीता अबष्टा, कृष्णा पद गोरांई सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे।

06–07–2019 (18)

अंतर सदन खो–खो प्रतियोगिता में वायु व पृथ्वी सदन विजेता

चिन्मय विद्यालय के क्रीड़ा प्रांगण में जूनियर वर्ग बालक व बालिका वर्ग का अंतर–सदन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बालक वर्ग में वायु सदन की टीम ने पृथ्वी सदन को 11–6

अंको से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इससे पूर्व खेले गए अन्य मैच में वायु सदन ने जल सदन को 8–5 से हराया एवं पृथ्वी सदन ने अग्नि सदन को 11–10 से हराया। वहीं बालिका वर्ग में पृथ्वी सदन की टीम ने अग्नि को 6–3 अंकों से हराकर शानदार जीत दर्ज कराते

हुए चैपिंयनशिप को अपने नाम किया। अग्नि सदन ने जल सदन को 11–5 से, पृथ्वी सदन की टीम ने वायु सदन को 12–11 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मैच के पहले विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, शैक्षणिक प्रभारी बी महाराज कुमारी, क्रीड़ा विभाग के विभागाध्यक्ष हरिहर पांडे, संजीव कुमार ने सभी बच्चों से परिचय प्राप्त किया एंव फाइनल के लिए शुभकामनाएँ दी। सचिव महेश त्रिपाठी ने सभी बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा की खेल हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। खेल के माध्यम से हम जीवन में अनुशासन के साथ–साथ जीवन में ऊँचाई को प्राप्त कर सकते है। इस अवसर पर प्रभारी–प्राचार्य अशोक कुमार झा ने सभी को ढ़ेरों शुभकामनाएँ दी। प्रतियोगिता का निर्णायक सदस्यगण में क्रीड़ा शिक्षक प्रांजल सेकिया, सौरभ कुमार, उज्ज्वल बाउरी, सुरोजीत मंडल, मधुमिता मंडल, नुपुर टोप्पो, रोहन झा द्वारा किया किया। प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक संचालन क्रीड़ा शिक्षक संजीव कुमार ने किया।

10–7–2019 (19)

65 ऑनर कार्ड मेधावी छात्र–छात्राओं को किया गया सम्मानित

चिन्मय विद्यालय ''स्कूल विद डिफरेंस'' को चरितार्थ करता रहा है। इसी क्रम में विद्यालय ने कक्षा 11वीं के 65 मेधावी छात्र–छात्राओं को ऑनर कार्ड देकर सम्मानित किया इससे पूर्व विद्यालय सचिव, महेश त्रिपाठी ने कहा कि ऑनर कार्ड प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राएँ विद्यालय की धरोहर हैं उन्हें सम्मानित करना उनकी प्रतिभा को निखारने का काम करता है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है।

सफल छात्र–छात्राओं में संस्कार, निखिल कुमार झा, अभिषेक कुमार, मौरूश घोष, ज्योतिर्मय कुमार, अंजलि, कृति कुमारी, अनिरूद्ध पांडा, रितेश कुमार, अरिंदम पॉल, अंकित निरूपम, काव्या कत्यायन, प्रियदर्शनी, आदित्या आनंद, भाविका, अनिमेष अनुरंजन, सौरभ कुमार, अनिल कुमार मंडल, शिवम् चटर्जी, कुशाग्र कटियार, कनिष्क मिश्रा, प्रत्युष कुमार गुप्ता, स्वर्णिम कुमार, स्मृति राज, भरत काबरा, हर्षवर्धन, विश्वजीत कुमार, कुमार अस्मित रंजन, साहिल प्रियांशु, श्रुति केडिया, पीयूष कुमार, आयुष्मान राज, अरूप मेहता, प्रिया कुमारी, अनुष्का आदित्या, अंकित कुमार, हर्षवर्धन , तुषार कुमार, हर्ष राज, शिवानी साहा, अक्श कुमार, सोहम चट्टोपाध्याय, अभिजीत

कुमार, अंनत राज, मुस्कान कुमारी, प्रशांत कुमार, नीतीश कुमार, अदिति अंबष्ठा, रोनित नारायण, अभिनाश कुमार, तन्मय मुखर्जी, आस्था राज, अनन्या , विकास हेमब्रम, अभिनव प्रकाश, प्रिया राज, राज शेखर, शोभित कश्यप, निखिल वर्मा, पल्लवी वर्मा, ह्रतिक झा, श्याम , आशुतोष आनंद, देवोत्तम कुमार, आदर्श सिंह हैं।

विद्यालय के प्राचार्य (प्रभारी) अशोक कुमार झा ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को ढेरों शुभकामनाएँ दी एवं कहा की विद्यालय के सभी छात्र–छात्राएँ काफी ऊर्जावान एवं प्रतिभावान है। उनकी योग्यता के आधार पर बच्चों का चयन किया गया हैं। हमारा काम बच्चों को निखार कर समाज में हर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।सभी सफल बच्चों को सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्राचार्य प्रभारी अशोक कुमार झा ने पुष्प एवं ऑनर कार्ड देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर 11वीं एवं 12 वीं के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तरगण उपस्थित थे।

13–7–2019 (20)

चिन्मय विद्यालय में ''नृत्य–प्रतिभा प्रतियोगिता'' का आयोजन

दिनांक 13 जुलाई, 2019 को बोकारो के सेक्टर–5 में स्थित चिन्मय विद्यालय के तपोवन सभागार में ''नृत्य प्रतिभा प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में बड़े ही उमंग एवं उत्साह से हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में कक्षा–नर्सरी (प्रवेश) से लेकर कक्षा–द्वितीय तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता–कार्यक्रम के संयोजक–मंडल में विद्यालय की प्रभारी–शिक्षिका कविता सिन्हा एवं रश्मि शुक्ल सम्मिलित थीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सोमा साह थी। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के सचिव महोदय महेश त्रिपाठी, प्रभारी प्रधानाचार्य अशोक कुमार झा एवं मुख्य अतिथि सोमा साह को स्वागत पुष्प–गुच्छ देकर की गयी। कार्यक्रम शरू होने से पूर्व दीप–प्रज्वलित किया गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं से 185 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया एवं अपनी अलग–अलग प्रतिभाओं को प्रदर्शित कर सभी का मन मोह लिया। अंत में प्रत्येक वर्ग–विशेष से बच्चों का चयन किया गया एवं विजेताओं की घोषणा की गई।

नर्सरी के विजेता छात्रों के नाम इस प्रकार हैं –रचित छाजर, आरोही प्रसाद, अदिति मित्तल।

प्रेप के विजेता छात्रों के नाम इस प्रकार हैं– अप्रिता गुप्ता, समृद्धि सिंह, चार्वी सिंह, साद्या चौधरी, वैष्णवी कुमारी, प्रिया दूबे।

कक्षा–प्रथम के विजेता छात्रों के नाम इस प्रकार हैं–रंचित साव, संस्कृति कुमारी, राघव राज, सान्वी श्रीवास्तव, आह्ना राज।

कक्षा–द्वितीया के विजेता छात्रों के नाम इस प्रकार हैं – जया रानी, रिधिमा, अद्वितीय, अवंतिका।

इस प्रकार, इस कार्यक्रम का बहुत ही सुंदर ढंग से समापन हुआ एवं पूरा प्राँगण गीत–संगीत से गूँज उठा।

चिन्मय विद्यालय में अन्तर सदन फुटबॉल प्रतियोगिता–2019

बालक वर्ग में वायु सदन विजेता

बालिका वर्ग में पृथ्वी–जल की संयुक्त टीम विजयी

लक्ष्मी, सान्या, हर्षिता व सौम्यानाथ के शानदार गोल के कारण पृथ्वी–जल की संयूक्त टीम ने अग्नि–वायु की टीम को 4–2 से पराजित कर जूनियर बालिका वर्ग में विजयी होने का गौरव प्राप्त किया।

चिन्मय विद्यालय के क्रीड़ा प्रांगण में जूनियर वर्ग (कक्षा–पाँचवीं से आठवीं) तक के छात्र–छात्राओं के लिए अंतर सदन फुटबॉल प्रतियोगिता का अयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य (प्रभारी) अशोक कुमार झा व शारीरिक शिक्षा के विभागाध्यक्ष हरिहर पाडें ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं उन्हें शुभकामनाएँ दी । उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के साथ–साथ शारीरिक क्षमता का विकास होना अति महत्त्वपूर्ण है। बालिका वर्ग पृथ्वी–जल की संयुक्त टीम ने अग्नि–वायु को 4–2 से हराया। उप–विजेता टीम से रुचिका व अवन्या ही गोल कर पाई। बालक वर्ग में अग्नि सदन की टीम वायु की टीम से 7–6 से हार गई। वहीं पृथ्वी सदन की टीम ने जल सदन को 8–7 से पराजित किया। दोनों ही मैच का निर्णय टाई–ब्रेकर के द्वारा किया गया।

वहीं फाइनल मैच काफी संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें वायु सदन की टीम ने पृथ्वी सदन को 1–0 से हरा कर जूनियर अंतर फुटबॉल प्रतियोगिता 2019 का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता का संचालन प्रांजल सेकिया, सुरोजित भौमिक, रोहन झा, सौरभ कुमार, नुपूर टोप्पो व मधुमिता मंडल ने सफलतापूर्वक किया। इस अवसर पर कक्षा पाँचवीं से आठवीं तक के सभी छात्र–छात्राओं ने अपनी उपस्थिति देकर अपने–अपने टीम का हौसला बढ़ाया। संचालन में हरिहर पांडे व संजीव सिंह ने मूख्य भूमिका निभाई ।

16–7–2019 (22)

चिन्मय विद्यालय में गुरुपूर्णिमा पर पूजा अर्चना

''ऊँ सदगुरूदेवाय नमः'' से गूँजा पूरा वातावरण

चिन्मय विद्यालय के तपोवन सभागर में गरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर ''गुरु पादुका'' की पूजा की गई। चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती के मार्गदर्शन से पूरी विधि के साथ पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। उन्होंने इस अवसर पर बच्चों को अपने आशीर्वचन में कहा कि गुरु सर्वोपरि है। गुरु ही ब्रम्हा है, गुरु ही विष्णु, गुरु ही देवो के देव हैं।

गुरु की आराधना मात्र से जीवन पवित्र व सफल हो जाता है। दुनियां में गुरु ही ऐसे होते हैं जो अपने शिष्य की सफलता के लिए हमेशा तत्पर रहते है। भारतीय संस्कृति में आदिकाल से ही गरु–शिष्य की परंपरा रही है। उन्होंने इससे संबंधित कई रोचक एवं ज्ञानवर्धक तथ्य बताये। महाभगवद्गीता व रामायण में इसका पूर्ण विवरण है।

पूजा अर्चना में स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती के साथ विद्यालय अध्यक्ष–विश्वरुप मुखोपाध्याय, सचिव–महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, प्राचार्य (प्रभारी) अशोक कुमार झा व कक्षा आठवी एवं नवमीं के छात्र–छात्राएँ एंव शिक्षक–शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। पूजा के बाद भक्ति संगीत की प्रस्तुति की गई । खुद स्वामिनी अम्मा के भक्ति गान ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संगीत विभाग के शिवेन चक्रवर्ती, जय किशन राठौर, रूपक झा, ने पूरा सहयोग किया। इस अवसर पर सुप्रिया चौधरी, संजीव सिंह, पंकज मिश्रा, रणधीर, रजनीश चौधरी व अन्य भक्तगण उपस्थित थे।

23-7-2019 (23)

''श्रावण–श्रवणमाला'' पर श्रीमद्भागवत् महापुराण कथा का आयोजन

चिन्मय मिशन, बोकारो में 24 जुलाई से 23 अगस्त 2019 श्रीमद्भागवत् महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है।

श्रावण मास में आयोजित श्रीमद्भागवत् महापुराण कथा का प्रवचन चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानन्द द्वारा किया जाएगा। ज्ञात हो कि स्वामिनी संयुक्तानन्द भगवद्गीता व रामायण की प्रसिद्ध प्रवचनकर्त्ता हैं।

यह प्रवचन पूरे मास 24 जुलाई से 23 अगस्त 2019 चिन्मय मिशन जनवृत–5, डी 2061 में संध्या 6:30 से 8:30 तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें बोकारो–चास के सैकड़ों भक्तजनों ने इस भक्ति संध्या का लाभ उठा सकेंगें। आचार्या स्वामिनी संयुक्तानन्द द्वारा **श्रावण–श्रवणमाला** में सभी भक्तजनों को सादर आमंत्रिंत किया है। जिससे भक्तजन ने प्रवचन में कही बातों एवं भगवान के उपदेशों को अपनाकर अपना जीवन सफल बना सकेगें।

भगवान शिव के श्रावण मास में महाभागवत कथा का आयोजन ने बोकारो वासियों को भक्तिमय बना देगा। भारत वर्ष में श्रावण मास भगवान शिव की आराधना में भक्तिमय हो चुका है।

24–7–2019 (24)

जनवृत 5 स्थित, चिन्मय मिशन, बोकारो में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ करते हुए चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी सयुंक्तानंदा ने कहा कि सत्, चित्त एवं आनंद के माध्यम से कथा सुनें एवं इसका लाभ उठायें। जीवन में इससे बड़ा महत्त्वपूर्ण कार्य कोई और नहीं है।

इससे पूर्व पूजा अर्चना से श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने स्वामिनी जी के बारे में संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि स्वामिनी जी श्रीमद्भागवत, रामायण एवं पुराणों की प्रसिद्ध प्रवचनकर्त्ता हैं। स्वामिनी जी ने कथा में कहा कि भागवद का अर्थ है भक्त। सर्वप्रथम शुक मुनि ने यह प्रसिद्ध कथा राजा परीक्षित को सुनाई थी। परमात्मा के पास पहुँचने के लिए भागवत एक नौके के समान है, जो संसार रुपी सागर से परे करता है। यह जीवन दर्शन का ज्ञान देने वाला ग्रंथ है।

ज्ञात हो कि यह श्रीमद्भागवत कथा 24 जुलाई से 23 अगस्त तक आयोजित की गई है। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, पी के झा, नरमेन्द्र, वकील कांत मिश्रा, संजीव मिश्रा सहित सैकड़ों भक्तों ने कथा का लाभ उठाया।

25/7/2019 (25)

चिन्मय विद्यालय में हिन्दी काव्य व्याख्यान माला का आयोजन

चिन्मय विद्यालय के सभागार में हिन्दी काव्य व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी चिन्मयानंद की पूजा अर्चना के साथ की गई। विद्यालय के संगीत शिक्षक द्वारा स्वागत गान एवं मंगलाचरण प्रस्तुत कर किया गया।

विशिष्ट अतिथि डॉ मंजुरानी सिंह (प्रोफेसर एवं निर्देशक, वूमेंस विश्व भारती, पश्चिम बंगाल) ने कहा कि हिन्दी के बिना समाज की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। डॉ मंजुरानी ने बच्चों को कहा कि हिन्दी काव्य समाज व संस्कृति का रीढ़ है। कविता संवेदना के द्वारा समाज को दर्शाती आईना है, जो कि दिल से निकलकर दिल को छू जाती है। भाषा, समाज व साहित्य में हिन्दी का सर्वोच्च स्थान है। उन्होंने स्व–रचित कई काव्य बच्चों को सुनाई एवं समझाई।

अपनी जड़ों से कट के हरे दिख रहे हैं लोग ।
ये बात सच नहीं है मगर यही सोचते हैं लोग ।

मुख्य अतिथि डॉ अजय राय ने बच्चों को संबोधित करते हुए अपने आस–पास प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं को शब्द देकर उसे लयबद्ध कर काव्य संगीत में प्रस्तुत करने का उपाय बताया। उन्होंने निराला जी द्वारा लिखित सरस्वती वंदना गाकर सभी को प्रभावित कर दिया। साथ ही कबीर जी द्वारा रचित 'मौका कहाँ तू ढूँढे रे बंदे . . . । श्यामानंद सरस्वती रोशन द्वारा रचित ''ज़िंदगी फर्ज़ का तराना है . . . । गाकर सभी को मंत्र–मुग्ध कर दिया।

हिन्दी काव्य व्याख्यान माला'' में कक्षा आठवीं एवं नवमी के छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे। विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने ''हिन्दी काव्य व्याख्यान माला'' कार्यक्रम की पूरी प्रशंसा की एवं डॉ अजय रास व डॉ मंजुरानी सिंह को पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर संगीत शिक्षक शिबेन चक्रवर्ती, जयकिशन राठौर, एवं रुपक झा के साथ विद्यालय के हिन्दी विभाग एवं अन्य शिक्षकेतरगण भी उपस्थित थे। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार झा ने सभी अतिथियों व विद्यालय समिति के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन वरीय शिक्षक डॉ दीपक कुमार ने किया।

26–7–2019 (26)

संजीव कुमार मिश्रा व नेहा सिन्हा को टीचर अवार्ड

चिन्मय विद्यालय, बोकारो के दो शिक्षकों संजीव कुमार मिश्रा व नेहा सिन्हा को साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा सत्र 2018–2019 के लिए झारखंड के बेस्ट जोनल टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। फाउंडेशन ने दोनों शिक्षकों को बच्चों के प्रोत्साहन, कुशल नेतृत्व, उचित मार्गदर्शन के लिए अपने प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया। चिन्मय विद्यालय के प्रार्थना सभा में विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी द्वारा संजीव कुमार मिश्रा व नेहा सिन्हा को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने दोनों शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने के बाद आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। साथ ही समाज को आपसे और ज़्यादा उम्मीद हो जाती है। प्राचार्य प्रभारी अशोक कुमार झा ने दोनों शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ज्ञात हो कि चिन्मय विद्यालय बच्चों में बहुमुखी प्रतिभा के विकास के लिए उन्हें विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ ही साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन भी बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए विभिन्न स्तर पर अलग–अलग प्रतियोगिता में का आयोजन करती है।

29–7–19 (27)

चिन्मय विद्यालय में 24वाँ ''नेशनल रिडिंग माह''

चिन्मय विद्यालय में 24वाँ ''नेशनल रिडिंग माह'' धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियो एवं शिक्षकों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर निबंध–लेखन प्रतियोगिता, समूह–वाचन प्रतियोगिता, चित्र–कला प्रतियोगिता, डिजिटल रिडिंग प्रतियोगिता नुक्कड़ नाटक, कठ्पुतली–शो आयोजन किया गया और अंत में शपथ पत्र पढ़ा गया।कार्यक्रम का आयोजन अलग–अलग दिनों में आयोजित किया गया। राहूल रॉय, मीनाक्षी, अंजलि मिश्रा ने अपने–अपने समूह का नेतृत्व किया।

पप्पट शो (कठपुतली शो) कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा–2 के बच्चों ने भाग लिया। जिसका संचालन शैक्षणिक प्रभारी कविता सिन्हा ने किया एवं कोमल अग्रवाल, अल्पना, नेहा अवतार, राजश्री, रिंकी पांडे, सोमा झा, मधुमिता, निशा शर्मा, आरती, कुमारी विनीता, दीप्ति पारिख, रीना सिंह, सरिता वर्मा व हिमांशी के सहयोग से रोचक कहानी प्रस्तुत की जिसे बच्चौ ने बहुत पसंद किया।

विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को शुभकामनाएँ दी एवं प्रतियोगिता में विजयी होने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। सचिव ने कहा कि पढने की आदत हम सभी में होनी चाहिए। इससे हमारा आत्मविश्वास तो बढता है साथ मे ही शब्दो पर पकड़ भी मजबूत होती है।''24वें नेशनल रिडिंग माह'' के समन्वयक सोनाली गुप्ता व सुब्रतो गुप्ता थे। पुरस्कार पाने वालों में

- निबंध प्रतियोगिता – पूजा कुमारी, मयंक मिश्रा, सौम्यादीप खाँ।
- चित्रकला प्रतियोगिता–युविका युक्ति, सोनाली, अंजली, सोनी सम्भवी, यश राज, आदित्य युवराज सिंह, सौम्या सुरुचि, सृष्टि महतों।
- डिजिटल रिडिंग प्रतियोगिता – कुमारी अंशिका, रितिका कांता, साक्षी।
- नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता – सोफिया नाजरन, प्रेरणा, श्रुति सिंह आदिबा, अली, सैलजा सिसोदिया, सैल्या बाग्या, अंकित आनंद, प्रियांशु राज, रोशन प्रभाकर।

विद्यालय के प्रभारी–प्राचार्य अशोक कुमार झा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

29–7–19 (28)

इंसान को सारे कर्म वेद रीति एवं नीति के अनुसार ही करने चाहिए – स्वामिनी संयुक्तानंदा

चिन्मय मिशन बोकारो में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में प्रवचन के दौरान चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद ने कहा कि हमें अपने जीवन में कोई भी कार्य वेद रीति एवं नीति के अनुसार ही करने चाहिए। जहाँ प्रेम होता है, वहीं भक्ति होती है। भक्ति भगवान के प्रति सबसे बड़ा समर्पण है। हमेशा धर्म के मार्ग पर ही जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। अधर्म पर चलकर कोई भी खुश नहीं रह सकता है। स्वामिनी जी ने श्रीमद्भागवत कथा में कई उदाहरणों के द्वारा भक्तों को समझाया। भगवान हमेशा ही अपने भक्तों के साथि रहते है। इस महान ग्रंथ में 18000 श्लोक व 12 स्कंद हैं। इसे सुनने मात्र से जीवन सार्थक हो जाता है ज्ञात हो कि चिन्मय मिशन बोकारो में श्रावन माह में पूरे माह तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। जिसमें चास, बोकारो के सैकड़ों भग्तगण ने भाग ले रहे हैं । इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष सह क्षेत्रीय निदेशक विश्वरुप मुखोपाध्याय, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, पी के झा सहित सैकड़ों भक्तगण उपस्थित थे।

30–7–2019 (29)

प्राथमिक चिकित्सा पर कार्यशाला

चिन्मय विद्यालय के सप्तऋषि भवन के गैलरी–2 में कक्षा आठवीं के छात्र–छात्राओं के लिए ''प्राथमिक चिकित्सा'' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के सूत्रधार रागिनी मिश्रा थीं। इस दौरान घर, विद्यालय, रास्ते, मैदान व क्रीड़ा स्थल मे होने वाली दुर्घटना के दौरान क्या–क्या प्राथमिक उपचार करने चाहिए।
दुर्घटना–स्थल पर ही प्राथमिक उपचार प्रारंभ कर देना चाहिए। रागिनी ने बच्चों को डेमो में शामिल कर कार्यशाला की महत्ता को बताया। प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी के बाद हम मदद के लिए आगे आकर कई ज़िंदगियों को बचा सकते है। इस दौरान बच्चों को डेमो के द्वारा चॉकिंग (घिग्घी), कटना, सिर फटना, बेहोश होना, साँप काटना, कीडे मकोड़े काटना, एवं जानवर काटने पर कैसे प्राथमिक चिकित्सा द्वारा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सकता है।

विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी व प्राचार्य(प्रभारी) अशोक कुमार झा ने कहा कि बच्चों में प्राथमिक चिकित्सा का ज्ञान होना अति आवश्यक है। हमारे जीवन में प्राथमिक चिकित्सा का अहम् स्थान रहता है। हर घर, विद्यालय, दफ्तर में प्राथमिक चिकित्सा की सामग्री रखनी चाहिए।

इस अवसर पर कार्यशाला मे सोमा रॉय, पंचानंद शर्मा व संजीव सिंह ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

31–7–2019 (30)

चिन्मय विद्यालय में योग पाठ

चिन्मय विद्यालय बोकारो में बारहवीं के छात्र–छात्राओं को जीवन का सबसे बड़ा पाठ पढ़ाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए चिन्मय विद्यालय के अध्यक्ष सह सीं सी एम टी ई सी , क्षेत्रीय निदेशक विश्वरूप मुखोपाध्याय ने कहा कि जीवन में सबसे बहुमूल्य है खुद का शरीर। इसांन को अपने तन के प्रति हमेशा सजग व सचेत रहना चाहिए। विद्यार्थी जीवन में स्वस्थ शरीर होने से सफलता खुद–ब–खुद खींची चली आती है। तत्पश्चात् योगकेन्द्र, बोकारो के योग गुरु कृष्ण बंधु मिश्रा ने योग के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि जीवन को शारीरिक, मानसिक भावनात्मक व मनोवैज्ञानिक रूप से स्वस्थ रखना अति आवश्यक है। आसन व प्राणायाम द्वारा शरीर को, योगनिद्रा द्वारा भावना को,ध्यान द्वारा मस्तिष्क को एवं मंत्र जाप द्वारा मन को मजबूत किया जा सकता है। योग शिक्षक ने सूर्य नमस्कार प्रतिदिन कम से कम 2 से 5 बार करने की सलाह दी। इससे शरीर स्वस्थ व चंचल रहता है। छात्र जीवन में हमेशा संतुलित आहार का सेवन करना चाहिए। सफाई व स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। अनुलोम–विलोम करने से कई बिमारियों से बचा जा सकता है।

ज्ञात हो कि विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय लागातार ग्यारहवीं व बारहवीं के छात्र छात्राओं को नैतिक जीवन की शिक्षा देते हैं। जिससे बच्चे अपने जीवन के मुल्यों को और अच्छे से जान सकें व एक आदर्श नागरिक बनकर परिवार, समाज व देश के लिए सफलतापूर्वक कार्य करें । इस अवसर पर विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी के साथ–साथ उषा वर्धराजन, संजीव सिंह, निशांत सिंह ,डॉ0 रोशन शर्मा उत्पल मित्रा, देवज्योति बाराल एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

27 वाँ चिन्मय आराधना दिवस सम्पन्न

स्थानीय चिन्मय विद्यालय में आधुनिक भारत के महान वेदांती महामानव परमपूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद महाराज का 27 वाँ महापरिनिर्वाण दिवस आराधना दिवस के रूप में पूरे भक्ति भाव के साथ सोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर गुरुदेव को समर्पित कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रातः काल सर्वप्रथम चिन्मय

सप्तर्षि भवन के विशाल सभागार में परमपूज्य स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, आचार्या चिन्मय मिशन केन्द्र बोकारो के निर्देशन में विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने संपूर्ण विश्व के कल्याण हेतु गुरुदेव की पूजा की एवं उनकी पादुका का पूजन किया। उनके साथ विद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने भी चिन्मय अष्टोत्तर शतनाम् का पाठ किया और गुरुदेव की चरणों में अपने श्रद्धसुमन अर्पित किये, सबसे निराले ढंग से चिन्मय के नन्हे–नन्हे बच्चों ने परम पूज्य गुरुदेव की आराधना की। विद्यालय के तपोवन सभागार में बच्चों ने गरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण किया और बड़े ही सुरुचिपूर्वक उनकी तस्वीर पर फूलों से श्रृंगार किया। उन्होंने भजन–कीर्तन किया एवं श्रीमद् भगवद्गीता के प्रथम अध्याय का समवेत स्वर में पाठ भी किया। युवाओं ने खेल में अपनी क्षमता दिखाकर गुरुदेव को नमन किया। परमपूज्य गुरुदेव का कहना था कि युवाओं में असीम सृजनात्मक क्षमता है, आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें व्यर्थ ना मानकर उन्हें उनकी क्षमता से परिचय कराकर उनकी क्षमता को मानव समाज एवं राष्ट्र के कल्याण के लिए सदुपयोग किया जाए। इस अवसर पर विद्यालय के मैदान में फुटबॉल, कबड्डी

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी क्षमता का लोहा मनवाया।

''नर सेवा ही नारायण सेवा है'' सम्यक् ज्ञान ही परम ब्रह्म है । परम पूज्य गुरुदेव नर में ही नारायण को देखते हैं, उनका मानना था कि संसार में व्याप्त सभी कष्टों की निवृत्ति केवल ज्ञान प्राप्ति से ही हो सकती है। उनका

उद्घोष था कि ज्ञानवान बनो, नर में नारायण को देखो, नर की सेवा से ही नारायण की सेवा होगी। गुरुदेव के इस दृष्टिकोण को पूरा करने हेतु विद्यालय प्रबंधन ने ''मानव सेवा आश्रम'' में बच्चों के बीच अन्न, फल, एवं चॉकलेट वितरण करवाया,। डॉ0 रोशन शर्मा (वरीय शिक्षक अर्थशास्त्र), शैवाल गुप्ता (वरीय शिक्षक विज्ञान) एवं देवजोति बराल, (वरीय शिक्षक जीव विज्ञान) के नेतृत्व में विद्यालय छात्र सेवा समिति के सभी सदस्यों ने अन्न फल एवं चॉकलेट का वितरण किया और उनके साथ भावुक पल भी बिताए। इसके बाद डॉ0 रोशन शर्मा, देवज्योति बराल, विजय गोप, पंकज मिश्र, मोहन साव, सुद्धिष्ट नारायण झा एवं विद्यालय छात्र सेवा समिति के सदस्यों ने उत्क्रमित विद्यालय चिरा चास में जाकर छात्रों के बीच नवीन पुस्तकों का वितरण किया। इस अवसर पर परम पूज्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती ने बच्चों को परम पूज्य गुरुदेव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से अवगत कराया, तो विद्यालय सचिव श्री महेश त्रिपाठी ने अपना उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि – पूर्ण रूप से गुरूदेव असीम ज्ञानमय विराट पुरूष थे। केवल उनके स्मरण मात्र से ही मनुष्य के भीतर सद्गुणों का संचार होने लगता है। आप सभी छात्रों को इस अवसर पर मैं कहना चाहता हूँ कि आप गुरुदेव का नित्य स्मरण करे, उनके विचारों का अनुशरण करें, केवल इतने से ही आपकी क्षमता में असीम विस्तार होता जायेगा।

7-8-2019 (32)

चिन्मय विद्यालय में सायंस फॉर सोसायटी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वाधान के अन्तर्गत साइंस फॉर सोसायटी, बोकारो, विज्ञान जागरण समिति, झारखण्ड तथा चिन्मय विद्यालय बोकारो के संयुक्त तत्वाधान में **27वाँ राष्ट्रीय बाल विज्ञान काँग्रेस** एवं **21वाँ बाल अधिकार काँग्रेस 2019** का अयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला स्तरीय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए 9 अगस्त को चिन्मय विद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया कार्यशला में जिले के लगभग 50 स्कूलों के बाल वैज्ञानिक एवं बाल अधिकारी तथा शिक्षकों ने भाग लिया।

ज्ञात हो कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वाधान में साइंस फॉर सोसायटी, बोकारो एवं विज्ञान जागरण समिति, झारखण्ड द्वारा प्रत्येक वर्ष विद्यालयों के नन्हें वैज्ञानिकों को तरासने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाता है ताकि बच्चों में नई सोच का विकास हो एवं वे भविष्य में एक बेहतर वैज्ञानिक बन कर देश की सेवा कर सकें। कार्यशाला का विषय **''साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेसन फॉर द क्लीन, ग्रीन एंड हेल्दी नेशन''** (विज्ञान, तकनीक, अविष्कार, एक साफ़, हरा–भरा व स्वस्थ राष्ट्र) के लिए था। इस कार्यक्रम में प्रोजेक्ट की तैयारी, प्रोजेक्ट, राईटिंग, प्रेजेन्टेशन एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गयी। विज्ञान के प्रचार एवं प्रसार का यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अति महत्त्वपूर्ण है।

इसकी तैयार से संबंधित आकलन के लिए चिन्मय विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक बैठक का अयोजन किया गया। इसमें चिन्मय विद्यालय प्राचार्य(प्रभारी) ए के झा, कार्यक्रम संयोजक शैबाल गुप्ता, संजीव सिंह, राजेंद्र कुमार, महासचिव साइंस फॉर सोसायटी, बोकारो, अरुण कुमार, जिला सम्न्वयक, पी ज्यातिर्मय एकेडेमिक समन्वयक एवं संजय कुमार उपस्थित थे।

छोटे–छोटे कामों से हम देश की सेवा कर सकते हैं – विश्वरुप मुखोपाध्याय

आज देश की 73वीं स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाई गई।

चिन्मय विद्यालय, बोकारो स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि विश्वरूप मुख्योपाध्याय ने झंडोतोलन किया। उनके साथ चिन्मय विद्यालय बोकारो की रेसिडेंस आचार्या स्वामिनी संयूक्तानंद, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, प्रभारी प्राचार्य ऐ के झा ने तिरंगें झंडे को सलामी दी। उन्होनं अपने संवोधन में कहा कि हम छोटे–छोटे कामों से देश की सेवा कर सकते हैं। राष्ट्र सेवा की भावना एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण होना महत्त्वपूर्ण है। अनुशासन हमारे जीवन में सर्वोपरि है।

विद्यालय में बच्चों के द्वारा कई देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अदिबा अली, श्रुति गुप्ता ने अपने संदेश से सभी को देशभक्ति रस से भर दिया। कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के बच्चों द्वारा वंदेमातरम् गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कक्षा पाँचवीं सें सातवीं तक के विद्यार्थियों ने अपने नृत्य से ''झाँसी की रानी'' की कुर्बानी याद दिला दी। छोटे–छोटे नुक्कड़ नाटक द्वारा समाज को दर्पण दिखाने की कोशिश की गई।

सभी गणमान्य अतिथियों का विद्यार्थी परिषद् के द्वारा पुष्प–गुच्छ देकर स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रभारी प्राचार्य ए के झा ने स्वागत भाषण दिया।
कार्यक्रम का संचालन शिवम, सौम्यदीप व रोहन ने किया।

19–8–2019 (34)

चिन्मय विद्यालय का 43वाँ स्थापना दिवस

- **वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पादुका पूजा**
- **किंडरगार्टेन समारोह का सफ़ल आयोजन**

चिन्मय विद्यालय, बोकारो (ऐ स्कुल विद डिफरेंस) का 43वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पादुका पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ सप्तऋषि भवन के सभागार में किया गया। सचिव महेश त्रिपाठी, प्रभारी प्राचार्य ए के झा के साथ–साथ, कक्षा–9वीं, 10वीं के शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं ने पूजा अर्चना में भाग लिया।

कक्षा प्रथम के छात्र–छात्राओं के लिए 'ग्रेजुयट किंडरगार्टेन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। संगीत–शिक्षक शिबेन चक्रवर्ती ने ''जय हो जय हो शंकरा'' भजन गाकर कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया । इस अवसर पर लघु–नाटिका, आसामी नृत्य, गिटार वादन, तबला वादन, ओ री चिड़ैया नृत्य, कठपुतली नृत्य, लोक नृत्य, गीत–''आओ हम सब हाथ मिलायें'',

माँ दुर्गा वंदना नृत्य जैसे कई कार्यक्रमों की विशेष प्रस्तुति की गई। कक्षा–1 ई की छात्रा अहाना राज के विशेष नृत्य ने सभी को झूमने पर मज़बूर कर दिया।

स्वामिनी जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज, अभिभावक का सपना है कि उनके बच्चे शिक्षा एवं अर्थ की दृष्टि से ऊँचाइयां को प्राप्त करें, जीवन का परम लक्ष्य सुख और शांति। क्या सिर्फ अक्षरों का ज्ञान ही शिक्षा हैं ? विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा में वो शिक्षा शामिल होती है जिसमें बच्चे जीवन के महत्त्व को समझते हैं, नैतिक मूल्यों पर ध्यान देते हैं। बच्चों को बचपन से ही नैतिक शिक्षा का ज्ञान दें। अपना समय बच्चों को अवश्य दें। अपने जीवन के अनुभव से सीखकर अपने बच्चों को बेहतर इंसान बनाने का प्रयास करें। बच्चे के सामने होने वाला व्यवहार, आचरण ही बच्चा सबसे पहले सीखता है। अच्छे माहौल से बच्चे जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ेंगें, उनकी अच्छे पैकेज से नहीं । अपनी संस्कारी परंपरा की नींव डालें।

वहीं सचिव महेश त्रिपाठी ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि बच्चों पर ज़्यादा दबाव ना डालें। उनपर ज्यादा पढ़ाई का तनाव ना डालें। बच्चों की जिज्ञासा के अनुरुप उन्हें शिक्षित करें। शारीरिक विकास का मौका दें। स्वामी जी के जीवन के बहुमूल्य संदेश को देकर उन्होंने बच्चों एवं अभिभावकों में नयी ऊर्जा का संचार किया। साथ ही, विद्यालय को सफ़लता के शिखर पर पहुँचाने के लिए चिन्मय मिशन के मार्गदर्शन, विद्यालय प्रबंधन के नेतृत्व, शिक्षकों के सहयोग, पूर्ववर्त्ती छात्र–छात्राओं को स्नेह एवं अभिभावकों को धन्यवाद दिया।

नर्सरी से कक्षा–2 की शैक्षणिक पर्यवेक्षक कविता सिन्हा ने कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि – स्वर्णिम सफलता प्राप्त करना कोई कठिन काम नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि ने शिक्षकों के सही दिशा–निर्देशन में सतत् परिश्रम करें । कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी से कक्षा–2 की सभी शिक्षिकागण उपस्थित थी। वहीं संगीत शिक्षक शिबेन चक्रवर्ती, पद्मावती घरई, जयकिशन राठौर, रुपक झा, दिनेश एवं नृत्य शिक्षिका रेणु साह ने विशेष सहयोग दिया। संजीव कुमार, रजनीश चौधरी, रणधीर नारायण ने विशेष योगदान दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका रश्मि शुक्ला एवं अंजलि प्रकाश ने किया।

20-8-2019 (35)

चिन्मय विद्यालय, बोकारो में स्पीक मैके द्वारा राजस्थानी संगीत का आयोजन

- **बच्चों के सामने कार्यक्रम कला सबसे आनंदित करता है – भुंगर खाँ**
- **गानों पर थिरके बच्चे।**

चिन्मय विद्यालय, बोकारो के तपोवन सभागार में ''स्पीक मैके'' द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित भुंगर खाँ एवं उनकी टीम ने अपनी गायकी व संगीत से सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। संगीत कार्यक्रम का शुभारंभ परमपूज्य स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित कर सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, प्रभारी प्राचार्य ए के झा, शैक्षणिक प्रभारी बी महाराज ने किया।

सर्वप्रथम भुंगर खाँ ने सभी प्रसिद्ध कलाकारों का परिचय उनके वाद्य–यंत्र के साथ कराया। भुंगर खाँ ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंनें लगभग 50 विभिन्न देशों में कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। जब हमलोग बच्चों के सामने संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत करते है, तो सबसे ज्यादा खुशी महसूस होती हैं और जब अपने देश की परंपरा व संस्कृति का प्रदर्शन, विदेशों में करता हूँ तो गौरवान्वित महसूस करता हूँ। स्पीक मैके लगातार भारतीय संस्कृति व परंपरा को देश–विदेश में कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित करती है। विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी युवा पीढ़ी को हमारे देश की संस्कृति, परंपरा, गीत–संगीत के प्रति जागरूक करना है, जिससे हम जान सकें कि पूरे विश्व में हमारी संस्कृति बहुत ही अनूठी है।

कार्यक्रम की शुरुआत ''न जाने तेरा . . . .'' भजन से की गई। उसके बाद, केसरिया बालम पधारो मेरो देश – – – ,साजन साजन मैं कहा – – –, एक पल चैन वा आवे – – –, छाप तिलक तुन छोड़ी मोसे नैना लड़ाके – – –, इन गानों ने सभी छात्रों एवं शिक्षकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

संगीत कार्यक्रम में मंजूर खाँ–ढ़ोलक, शेर मोहम्मद–डब्ल फ्यूट, वीणा–दादा खान, सारंगी–कासम खान, हारमुनियम–नेहरु खाँ, मोर चंग–रोशान खाँ ने वाद्ययंत्र से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं घूटा खाँ व कासम खाँ ने अपने लोकगीत से सभी को प्रभावित किया।

ज्ञात हो कि भुंगर खाँ भारत के प्रसिद्ध कलाकार हैं। वे अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी श्रीलंका, नेपाल, भूटान, ऑस्ट्रेलिया सहित 50 से अधिक देशों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपाध्याय ने भुंगर खाँ एवं टीम को सम्मानित किया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में संगीत विभाग के शिबेन चक्रवर्ती, जयकिशन राठौर, रुपक झा, पद्मावती घड़ई, संजीव कुमार, रणधीर नारायण, रजनीश चौधरी ने अहम भूमिका निभाई।

23-8-2019 (36)

भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

- **कृष्णा का नाम अनमोल. . . बोलो जय कृष्णा**
- **बच्चा ही भगवान का रुप है . . . महेश त्रिपाठी**

चिन्मय विद्यालय, बोकारो में नन्हें–नन्हें बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। श्रीकृष्ण की लीलओं को बच्चों ने मनमोहक रुप धारण कर प्रस्तुत किया एवं सभी को मोहित कर दिया। कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक छात्र–छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा, गोपियों, यशोदा, द्रोपदी, बलराम, बासुदेव, सुदामा का रुप धारण कर

पूरे वातावरण को मनमोहक बना दिया। राधा का नाम अनमोल बोल श्रीकृष्ण श्रीकृष्ण गाने पर बच्चों ने शानददार नृत्य प्रस्तुत किया । इस अवसर पर नर्सरी से द्वितीय तक के सभी विद्यार्थियों के साथ–साथ शिक्षिकाएँ भी उपस्थित थीं । साथ ही, विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बच्चों में ही भगवान होते हैं।

संध्या में चिन्मय मिशन, बोकारो में जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। मिशन की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद ने पूरे विधि–विधान के साथ श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर बच्चों द्वारा शृंखला, अनमोल, सनी, सत्यम्, स्निग्धा, शिल्पा, श्रीमोयी, निमिषा, अनुपम, श्रुति व दिव्यांशु ने भक्ति गाने गाकर पूर वातावरण को भक्ति रस से भर दिया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्रभारी प्राचार्य ए के झा, पूर्व प्राचार्य डॉ अशोक सिंह सहित मिशन के सदस्यों एवं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे।

29-8-2019 (37)

''फिट इंडिया मूवमेंट'' की शुरुआत

चिन्मय विद्यालय में अंतर सदन फुटबॉल एवं वॉलीबॉल का आयोजन

चिन्मय विद्यालय, बोकारो ने ''फिट इंडिया मूवमेंट'' के सफ़ल आयोजन में हिस्सा लेते हुए अंतर सदन फुटवॉल एवं वॉलीवाल खेल का आयोजन किया, जिसमें फुटबॉल में बालक 19 वर्ष आयु वर्ग, वॉलीवॉल में बालक 19 वर्ष आयु वर्ग, बालक 17 वर्ष आयु वर्ग, बालक 14 वर्ष आयु वर्ग, के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सचिव, चिन्मय विद्यालय महेश त्रिपाठी द्वारा खिलाड़ियों का परिचय कर एवं पहला बॉल गोलपोस्ट में किक करके किया गया। सचिव महेश त्रिपाठी ने खिलाड़ियों को अपने संबोधन में कहा कि ''फिट इंडिया मूवमेंट'' आज के समय अत्यंत जरुरी है, पहले लोग 10–15 किलोमीटर पैदल चल लेते थे, शरीर में स्वतः हलचल होती रहती थी एवं शरीर स्वस्थ रहता था । आधुनिक तकनीक बदली है, साधन हो जाने के कारण लोगों ने चलना छोड़ दिया है, फिट कैसे रहें इसमें उदासीनता दीखने लगी है। इसलिए स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ तन का होना बहुत जरुरी है । तदुपरांत खिलाड़ियों ने खेल भावना दिखाते हुए सभी खेल उत्साह पूर्वक खेले। जिसमें फुटबॉल में बालक 19 वर्ष आयू वर्ग में अग्नि हाउस, वॉलीवॉल में बालक 19 वर्ष आयु वर्ग में जल हाउस, बालक 17 वर्ष आयु वर्ग में पृथ्वी हाउस, बालक 14 वर्ष आयू वर्ग में वायु हाउस विजयी हुआ, जिसे सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्रभारी प्राचार्य ए के झा द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफ़ल संचालन में विद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी हरिहर पांडे के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें उनके सहायक प्रांजल सेकिया, देवदीप चक्रवर्ती, उज्ज्वल बाउरी, रोहन निशान्त झा, सुरोजित भौमिक, मधुमिता मंडल, पार्थव विश्वास एवं उत्तम पॉल ने उनका भरपूर सहयोग दिया। कार्यक्रम का उत्साह बढ़ाने में विद्यालय के शिक्षकेतरगण एवं छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया।

30–8–19 (38)

नर्सरी से कक्षा–2 के छात्रों ने गणेश चतुर्थी हर्षोल्लास के साथ मनाया

चिन्मय विद्यालय, बोकारो में बच्चों ने गणेश चतुर्थी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। गणेश चतुर्थी के इस पावन अवसर पर कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के छात्र–छात्राओं ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बच्चों ने भगवान शंकर, गणेश, पार्वती एवं लक्ष्मी माता का रुप धारण कर दर्शकों का मन मोह लिया। ''जय गणेश जय गणेश देवा गाने पर बच्चों ने मंत्रमुग्ध करने वाला नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों को प्रोत्साहन देने के लिए सचिव महेश त्रिपाठी, प्रभारी प्राचार्य ए के झा, नर्सरी से की कक्षा–2 शैक्षणिक पर्यवेक्षक कविता सिन्हा के साथ–साथ विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

4–9–2019 (39)

संघर्ष, श्रम एवं समर्पण से ही मिलती है सफलता – डॉ प्रत्युष शर्मा

- अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं आर्थिक विकास में अन्तर्सम्बन्ध पर प्रकाश डाला
- भारत की कूटनीति में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है . . .

चिन्मय विद्यालय सभागार में डॉ प्रत्युष शर्मा का ''अन्तर्राष्ट्रीय संबध एवं आर्थिक विकास ''विषय पर व्याख्यान हुआ जिसमें उन्होंने आज के परिदृश्य में अंतर्राष्ट्रीय सबंध एवं आर्थिक विकास में अन्तर्सम्बन्ध पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि भारत की कूटनीति में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है, जिसका फल है कि भारत की कश्मीर नीति पर भारत को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन प्राप्त हुआ है। इसके पीछे कई दशकों से अंतर्राष्ट्रीय संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास का ही फल है, और साथ ही भारत की आर्थिक प्रगति भी हुई है। 21वीं सदी में भारत तेज़ी से उभरता हुआ एक आर्थिक महाशक्ति है, जिसे विश्व विरादरी अब अनदेखा या अनसुना नहीं कर सकता है। जिस तरह से भारतीयों की कार्यशक्ति बढ़ रही है, बाजार का प्रसार हो रहा है, उस दृष्टि से देखें तो आज सभी बड़े देशों की उम्मीद भारत से है उम्मीद है विश्व के सभी देश भारत से बेहतर संबध बनाने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि इन दिनों वैश्वीकरण के युग में किसी भी देश की अर्थनीति उसके अंतर्राष्ट्रीय संबंध को निर्धारित करती है एंव स्वयं निर्धारित भी होती है।

इन विषयों पर कक्षा ग्याहरवीं एवं बारहवीं के छात्रों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के डॉ शर्मा ने सटीक विश्लेषणात्मक उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट किया । साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संबंध के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में संघर्ष, श्रम एवं समर्पण से सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि कोई भी विषय सीरियस या नॉन–सीरियस नहीं होता है। विद्यालय स्तर पर पढ़ाये जाने वाले सभी विषय व्यक्तित्व को निखारने में उपयोगी होते हैं। इसलिए सभी विषयों को गंभीरता पूर्वक पढ़े। नियमित रुप से समाचार पत्र पढ़े, जन सरोकार के मुद्दे पर आपस में वाद–विवाद करें।

डॉ शर्मा ने बोकारो से बारहवीं की शिक्षा ग्रहण करने के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। फिर वे भूटान में कार्यरत रहे। वहीं उनका रुझान अंतर्राष्ट्रीय संबंध के अध्ययन की ओर हुआ। इन विषय में स्नातकोत्तर की डिग्री लेकर कोस्टाटिका युनिवर्सिटी से विश्व शांति पर उन्होंने साउथ–साउथ कॉपरेशन एवं डेवलॉपमेंट कॉरपोरेशन विषय पर अनुसंधान कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्हें ''दी जर्मन डेवेलॉपमेंट इंस्टीटयूट बोन'' का भी ग्लोवल गवर्नेंस का फेलोशिप प्राप्त हुआ

है। वर्तमान में डॉ शर्मा विदेश मंत्रालय संबंधित विभिन्न अनुसंधान संगठनों से जुड़े हुए हैं और सरकार को विदेश नीति एवं विकास हेतु सहयोग में अपने अनुभव से सहायता कर रहे हैं। डॉ शर्मा गरीब छात्रों के सहयोग हेतु चलाए जा रहे हैं। 'चिन्मय स्माइल बैंक' कार्यक्रम में भी सक्रिय सहयोग दे रहे हैं।
इस व्याख्यान माला को सचिव, चिन्मय विद्यालय, महेश त्रिपाठी, आचार्या, चिन्मय मिशन, बोकारो, स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, प्रभारी प्राचार्य, अशोक कुमार झा, डॉ शुभ्रा मुखापाध्याय, (कार्यक्रम की संचालिका), उषा वरदराजन, सुद्धिष्ठ नारायण झा, डॉ रोशन शर्मा एवं कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका चिन्मयी ओझा ने अपनी उपस्थिति देकर सफ़ल बनाया।

5.9.2019 (40)

चिन्मय विद्यालय में गुरु उत्सव धूमधाम से मनाया गया

सभी शिक्षकों के लिए गौरव का दिन है – स्वामिनी संयुक्तानंदा

चिन्मय विद्यालय के स्वामी तपोवन सभागार में शिक्षकों द्वारा शिक्षकों के लिए शिक्षक दिवस कई सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि विद्यालय अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपाध्याय, आचार्या, चिन्मय मिशन, बोकारो स्वामिनी संयुक्तानंदा, सचिव, महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, प्रभारी प्राचार्य ए के झा द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हूए

प्रभारी प्राचार्य ए के झा ने कहा आज का दिन सभी शिक्षकों के लिए गौरव का दिन है। उन्होंने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के बारे में बहुत सारी जानकारियाँ साझा करते हुए, अच्छे शिक्षक कैसे बनें एवं अच्छे शिक्षक के कई गुणों बताते हुए कहा की माता–पिता के बाद शिक्षक ही है जिसे जीवनपर्यन्त याद रखा जाता है।

शिक्षकों के द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें **गुरु रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रचित आवर्ती** में डॉ शुभ्रा मुखोपाध्याय, सुष्मिता सिंह, सुमोली, **हास्य कविताओं** में शिक्षिका रॉली प्रियदर्शी, डॉली झा, तिलोत्तमा, अंजता, राधा, पुजा पाडें एवं शिक्षक हिमांशु, **युगलबंदी** में शिबेन चक्रवर्ती एवं रुपक झा, **गजल गायिकी** में डॉ दीपक कुमार एवं आभा सिंह, **वॉलीवुड फन डांस** में प्रिया राजीव, देवजानी दत्ता, श्रेया गुप्ता, देविका दत्ता, सबको अंचभित करते हुए गोपाल चंद मुंशी द्वारा **वायलिन वाजन**, **बंगला नृत्य ढाक बाजे** के द्वारा माँ दुर्गा की स्तुति में रेणु साह, शरवनी मुखर्जी, डॉली झा, निशा कुमारी, सोमा रॉय, स्वर्णिमा कुमारी, मधुमिता, **बिहारी फन इंग्लिश–विंगलिंश** में अर्चना प्रसाद, अंकिता झा, स्वाती मिश्रा, **डांस फ्यूजन** में दीप्ति पारीक, सरीता वर्मा, मोनिका, रीना सिंह, हिमांशी टंक, **भोजपुरी गीत** 'गंगा किनारे मोरा गाँव....घर पहुँचा द देवी मईया' वृजमोहन लाल दास, अमरेन्द्र नारायण उपाध्याय, विभास चन्द्रा, **पंजाबी भांगड़ा** में रिंकी पाडें, रेणु साह, निशा कुमारी, आरती कुमारी ने कार्यक्रम को आनंदमयी बना दिया।

विद्यालय में उपस्थित सभी शिक्षकों के आग्रह पर स्वामिनी संयुक्तानंदा ने भी एक हिंदी गीत गाकर कार्यक्रम की शोभां चार चाँद लगा दिया। संगीत शिक्षक शिवेन चक्रवर्ती, जयकिशन राठौर, रुपक झा, दिनेश कुमार ने सभी कार्यक्रम में विशेष सहयोग दिया।

तत्पशचात सत्र 2018–19 के लिए विद्यालय प्रबंधन द्वारा सर्वश्रेष्ठ एवं विशेष योगदान के लिए शिक्षकगण एवं अधिनिष्ठ कर्मचारीगण को पदक देकर सम्मानित किया गया एवं उन्हें ढ़ेरो शुभकामनाएँ दी गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुनील कुमार एवं शिक्षिका दीप्ति पारीक द्वारा किया गया।

20-9-2019 (41)

चिन्मय विद्यालय में आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान

हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रायोजित सीबीएसई माध्यम द्वारा ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान का अयोजन किया गया। इस अभियान में कक्षा–नर्सरी (प्रवेश) से लेकर कक्षा द्वितीय तक के विद्यार्थियों ने प्लास्टिक से बने हुए सामान का बहिष्कार किया एवं मैदान के कचरे को एकत्र कर कूड़ेदान में फेंका। इसी के साथ बच्चों ने वृक्षारोपण कर देश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का प्रण लिया। स्वच्छता पर आधारित अनेक नारे लगाए गए और और पोस्टर्स भी बनाए गए। इनके संयोजक मंडल में प्रभारी शैक्षणिक निरीक्षक कविता सिन्हा, सुप्रिया चौधरी, रश्मि शुक्ला एवं अंजनी ने अपनी उपस्थिति से

बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ए के झा ने कहा स्वच्छ वातावरण में स्वच्छ मन एवं तन अपनी ऊर्जा से उच्चतम रखा जा सकता है। कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक की सभी शिक्षिकाओं ने अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देकर इस अभियान को सफ़ल बनाय।

21–9–2019 (42)

चिन्मय विद्यालय में दो दिवसीय इन्टर स्कूल चेस चैम्पियनशीप का आयोजन

स्वामी चिन्मयानंद दो दिवसीय इन्टर–स्कूल चेस चैम्पियनशीप का उद्घाटन चिन्मय विद्यालय के स्वामी तपोवन सभागार में स्वामिनी संयुक्तानंदा जी के कर कमलों द्वारा आयोजित हुआ। सर्वप्रथम ब्रह्मलीन स्वामी चिन्मयनंद जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया।

इस खेल का अयोजन बोकारो जिला चेस एसोसियेशन द्वारा किया जा रहा है। इस एसोसियेशन के सचिव सूर्य कुमार सिन्हा ने शतरंज के महत्त्व एवं उपयोगिता पर वृहत् रुप से प्रकाश डाला। उन्होंनें सभी विद्यालयों से निवदेन किया कि अपने स्कूल के शतरंज के प्रतिभाशाली छात्रों को इस खेल में भाग लेने का मौका दें ताकि, वे अपना और अपने विद्यालय का नाम विश्व में रोशन कर सके। इस

आयोजन की मुख्य अतिथि स्वामिनी संयुक्तानंदा ने शतरंज के सारगर्भिता को दर्शाते हुए हमारे शास्त्रों में वर्णित जीवन की गतिविधियों को इस खेल से जोड़ा और आधुनिक समय में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में खेल का शुभारंभ चिन्मय विद्यालय के अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपाध्याय तथा क्रिसेन्ट पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सह बोकारो जिला चेस एसोसियेशन के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता जी ने किया। इस आयोजन में चिन्मय विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य(प्रभारी) ए के झा एवं चिन्मय विद्यालय के कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, डी पीएस बोकारो के शिक्षक राम कुमार राय तथा डी पी एस चास के चन्द्रभूषण श्रीवास्तव, मनोज कुमार शर्मा, वीडीसीए के पदाधिकारी अमित कुमार सिन्हा, श्याम सुन्दर कर, जयारानी श्री, अंकित कुमार सिंह एवं बोकारो के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस खेल में विभिन्न स्कूलों के 175 प्रतिभागीयों ने अपने खेल का प्रदर्शन किया । छह राउण्ड के खेल में तीन राउण्ड का खेल हो चुका है। अगले तीन राउण्ड के खेल कल प्रातः 8 बजे से 5 बजे तक होगा। तत्पश्चात विजेता खिलाड़ी को पुरस्कृत किया जाएगा।

22–9–2019 (43)

स्वामी चिन्मयानंद इन्टर स्कूल ओपेन चेस चैम्पियनशीप –

चिन्मय विद्यालय में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

विभिन्न स्कूलों के 177 प्रतिभागियों ने अपने खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए चेस चैम्पियनशीप में हिस्सा लिया। जिसमें विभिन्न आयुवर्ग में 20 प्रतिभागी विजयी रहे ।

जिनके नाम इस प्रकार हैं –

9 आयु वर्ग में गीतिका संयुक्ता (प्रथम), अबीर धींगरा (द्वितीय), अनमोल सिंह (तृतीय)
11 आयु वर्ग में विगनेस साहु (प्रथम), शुभ (द्वितीय), सयान अनिस (तृतीय)
13 आयु वर्ग में सुकृत चन्द्रा शर्मा (प्रथम), आनंद कुमार, (द्वितीय), सिद्धांत वैभव (तृतीय)
15 आयु वर्ग में मनीष कुमार, (प्रथम), कादमिबनी घड़ाई, (द्वितीय), शशांक मेदीरेडी (तृतीय)
17 आयु वर्ग में सचिन आनंद, (प्रथम), कुनाल कुमार (द्वितीय), संकल्प सान्डीलय (तृतीय)
19 आयु वर्ग में विशेष पाडें, (प्रथम), शेखर शर्मा (द्वितीय), अभिषेक कुमार (तृतीय)
ऑवर–आल चैम्पियन आदित्य राज बने।
चैम्पियनशीप में सबसे कम उम्र के प्रतिभागी **4 साल के रुद्र प्रताप घड़ाई** को सम्मानित किया गया।
मुख्य अतिथि चिन्मय मिशन, बोकारो, आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद ने कर कमलों द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण करने के बाद उद्‌बोधन उन्होंने ने कहा की बच्चों की पढ़ाई के साथ–साथ खेल के प्रति रुझान होना चाहिए। चिन्मय विद्यालय के कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक के मार्गदर्शन में खेल को संचालित किया गया।

बीडीसीए के तरफ से अध्यक्ष अनिल गुप्ता तथा महासचिव एव अन्य पदाधिकारियों ने मिलकर चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य (प्रभारी) ए के झा को उनके अमूल्य सहयोग के लिये सम्मानित किया। बोकारो जिला चेस एसोसिशन के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि चेस को जिला के सभी स्कूलों के साथ–साथ बोकारो जिला चेस के सभी गाँव–गाँव तक पहुँचाने का संकल्प उन्होंने लिया है। महासचिव सूर्य कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम को संचालित करते हुए चेस के खेल भावना को विस्तृत रुप से बताया।

चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य (प्रभारी) ए के झा ने सभी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

दो दिवसीय खेल में बोकारो जिला चेस एसोसियशन की तरफ से संजय कुमार साहा, पारस, अजीत कुमार सिन्हा, अंकित कुमार सिंह, शोमेन सिन्हा, अनिल कुमार परीमी, जयरत्ना श्री, एवं अन्य वरिष्ठ गण–मान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही साथ अभिभावक–गण की उपस्थिति सराहनीय रही।